page 1 and 8 1 Feb 25_page 1 Mar 25 final ds.qxd 25-02-2025 00:54 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मप्र को मिले 25 हजार 600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

5 कोहली एकदिवसीय में 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

8 सब्जियों की पौधशाला

मौसम जम्मू — न्यूनतम 16 — अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-52 | जम्मू तवी, मंगलवार 25 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

युवा पीढ़ी के कंधों पर जम्मू-कश्मीर में शांति को बनाए रखने का जिम्मा : शाह

नई दिल्ली, 24 फ़रवरी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में वतन को जानो कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर के युवाओं से बातचीत की। उन्होंने इस दौरान विकास के लिए शांति को आवश्यक बताया और कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति को स्थायी बनाने का जिम्मा युवा पीढ़ी के कंधों पर है।

वतन को जानो कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर से आए 200 स्कूली विद्यार्थियों से संवाद के दौरान अमित शाह ने कहा कि विकास तभी आ सकता है जब शांति होती है। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि आप जम्मू-कश्मीर लौटने पर अपने माता-पिता और मोहल्ले के लोगों को समझाएं कि पूरा देश शांति से जी रहा है और हमें भी शांति से जीना होगा। उन्होंने बच्चों से कहा कि जम्मू-कश्मीर के साथ पूरा देश आपका है, इस भाव के साथ वापस जाएं। अमन और शांति ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के बच्चों को शांति का असल वाहक बताते हुए कहा कि कोई सरकार वहां शांति नहीं रख सकती है। उन्होंने कहा कि यदि जम्मू-कश्मीर का प्रत्येक बच्चा अपने माता-पिता और मोहल्ले वालों का यह समझा दे कि पूरा देश हमारा है। सबके साथ अमन और शांति के साथ रहना है। यहां से दहशतगर्दी को निकालना है तो पुलिस और सेना की

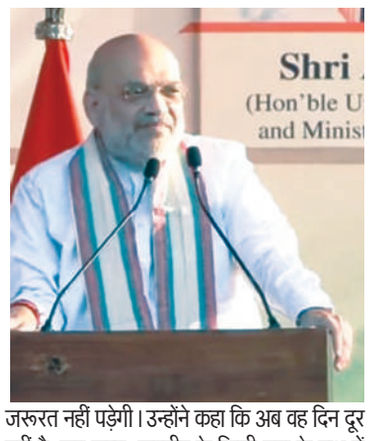

जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है, जब जम्मू-कश्मीर के किसी युवा के हाथ में हथियार नहीं होगा। ऐसा होने पर हथियार वाली सेना की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। हर जगह सेना बॉर्डर पर होती है आपके यहां से भी सेना बॉर्डर पर चली जाएगी।उन्होंने कहा कि आतंकवाद और दहशतगर्दी से किसी का फायदा नहीं है। हजारों लोग पिछले 30 साल में 38 हजार लोग कश्मीर में लोग मारे गए हैं। अब नागरिकों की मृत्यु में 80 प्रतिशत की कमी आई है। हालांकि उन्होंने इस आंकड़े को शत प्रतिशत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवादी घटनाओं में जम्मू-कश्मीर का एक भी युवा मरना नहीं चाहिए। शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बच्चे यहां वतन को जानो में भाग लेने के लिए एकत्र हुए हैं। यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित किया गया है क्योंकि अन्य चीजों के बारे में जानना भी महत्वपूर्ण है। अगर हम अपने कमरे से बाहर नहीं सोचेंगे, तो हमें पता ही नहीं चलेगा कि बाहर क्या हो रहा है।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बहुत लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर में बहुत आपा-धापी चलती रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को खत्म करके पूरे देश को एक कर दिया। अब गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा आदि राज्यों की ही तरह कश्मीर भी है। अब कश्मीर के बच्चों का देश पर उतना ही अधिकार है, जितना दिल्ली के बच्चे का है। शाह ने युवाओं से सवाल किया कि ऐसा होना सही है या गलत। शाह ने कहा कि पहले ये सिखाया जाता था कि कश्मीर हमारा है और इस पर हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि आप वहां जन्में हैं तो वह आपका ही है लेकिन इसके साथ ही 29 अन्य रियासतों पर भी आपका अधिकार हो। उन्होंने युवाओं से सवाल किया कि ऐसा होना उचित है या नहीं। शाह ने कहा कि पिछले 10 साल से हम देश को दुनिया में शीर्ष पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्कॉस्ट-के में पीएम-किसान योजना पर प्रधानमंत्री के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग में भाग लिया

कृषि नवाचारों और किसान कल्याण पहलों को प्रदर्शित करने वाले स्टालों का निरीक्षण किया

श्रीनगर 24 फ़रवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीएम-किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करने के अवसर पर बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग में भाग लिया।

यह कार्यक्रम शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, शालीमार कैंपस में आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि के रूप में, मुख्यमंत्री प्रतिभागियों में शामिल हुए, जिनमें कृषि उत्पादन मंत्री जावेद अहमद डार, हजरतबल, सोनावर और चनापोरा निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले जम्मू-कश्मीर विधान सभा के सदस्य, साथ ही जिले के विभिन्न हिस्सों से प्रगतिशील, सीमांत और छोटे पैमाने के किसान और उद्यमी शामिल थे।

इस कार्यक्रम में उपकुलपति स्कॉस्ट-के नज़ीर अहमद गनई, प्रमुख सचिव कृषि उत्पादन शैलेन्द्र कुमार, आयुक्त सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सौरभ भगत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान पहचाने गए नवोन्वेषी किसानों की सराहना करते हुए कहा, प्रगतिशील तकनीकों को अपनाने में उनका योगदान, विशेष रूप से प्राकृतिक और जैविक खेती में, जम्मू और कश्मीर के कृषि परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार एक किसान-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो कृषि स्थिरता और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देता है।

इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्कॉस्ट-के द्वारा आयोजित एग्री-टेक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

प्रदर्शनी में सफल किसानों, प्रगतिशील कृषकों, कृषि उद्यमियों, कृषि-उद्योगपतियों, किसान उत्पादक संगठनों और विभिन्न विश्वविद्यालय के नेतृत्व वाली पहलों द्वारा प्रदर्शित स्टालों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई। 100 से अधिक स्टालों का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने किसान कल्याण योजनाओं, उन्नत कृषि आदानों, कृषि मशीनरी और जैविक उत्पादों पर प्रकाश डालने वाली प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने स्कॉस्ट-के छात्रों और संकाय के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप का भी दौरा किया और कृषि नवाचार को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका की सराहना की। कृषि उद्यमियों, कृषि-उद्योगपतियों और एफपीओ के साथ बातचीत करते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ऐसी प्रदर्शनियों के महत्व पर जोर दिया और कहा, ये मंच किसानों को विश्वसनीय, अद्यतन और व्यावहारिक जानकारी तक पहुंच प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए सशक्त बनाया जाता है।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को परिजनों ने यौन उत्पीड़न और हत्या बताया, प्रिंसिपल को गिरफ्तार करने की मांग

कठुआ 24 फरवरी । बसोहली में स्थित शिक्षण संस्थान में गत दोनों 15 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर परिजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग चड़वाल को करीब 5 घंटे तक जाम कर शिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल को गिरफ्तार करने की मांग की।

परिजनों ने यौन उत्पीड़न और हत्या के आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग चडवाल को करीब 5 घंटे जाम कर शिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल को जल्द गिरफ्तार करने के साथ-साथ इस पूरे मामले की जांच सीबीआई द्वारा करवाने की मांग रखी। गौरतलब हो कि बसोहली में स्थित चूड़ामणि शिक्षण संस्थान के गत दिनों 15 वर्षीय छात्र किशोर की संदीप परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी इसके बाद उसके शव को जीएमसी कठुआ लाया गया जहां पर पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। वहीं 09 दिन बीत जाने के बाद सोमवार को चडवाल के स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को करीब 5 घंटे तक बंद रखा और इस मामले में पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार की कोई भी जांच नहीं करने के आरोप लगाए हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि 09 बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस ने शिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल को गिरफ्तार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि बच्चे के साथ यौन उत्पीड़न के साथ-साथ उसकी हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस पर इस मामले को रफा दफा करने के आरोप लगाए हैं। वही मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खूब समझाया लेकिन प्रदर्शनकारी डटे रहे। करीब 5 घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग जाम रहा इसकी वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ लंबी-लंबी गाड़ियों की कतारे लग गई। प्रदर्शनकारियों ने इस मामले की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की ताकि इस मामले में निष्पक्ष जांच की जाए।

मुख्य सचिव ने पीएमएवाई-यू-2.0 के तहत कवर किए जाने वाले बेघर लोगों की पहचान की तैयारियों का आकलन किया

जम्मू 24 फ़रवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में बेघर लोगों की पहचान के लिए योजना विकास और निगरानी विभाग के सहयोग से विभाग द्वारा किए जाने वाले घरेलू सर्वेक्षण का मूल्यांकन करने के लिए आवास और शहरी विकास विभाग की एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में आयुक्त सचिव एच एंड यूडीडी, सचिव योजना, महानिदेशक ई एंड एस, एमडी हाउसिंग बोर्ड, एसआईओ एनआईसी और अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे। सर्वेक्षण यूटी में प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी)-2.0 पीएमएवाई-यू के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आवास इकाइयां प्रदान करने के लिए कवर किए जाने वाले पात्र व्यक्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी देगा।इस बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने विभाग पर पात्र बेघर लोगों की पहचान के लिए विस्तृत दिशानिर्देश तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने उन्हें पहले ही सभी उपायुक्तों के साथ साझा करने की सलाह दी ताकि वे इस प्रक्रिया की प्रभावी ढंग से निगरानी कर सकें। उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में इस सर्वेक्षण को करने के लिए जनशक्ति की आवश्यकता पर काम करने और यह

सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि शिक्षकों को इस कर्तव्य से छूट दी जाए क्योंकि घाटी में मार्च से स्कूल खुलने जा रहे हैं और माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षाएं भी चल रही हैं।

पुलिस ने रिंग रोड मीरां साहिब से दो वांछित अपराधियों को किया गिरफ्तार

जम्मू, 24 फ़रवरी । अपराधिक गतिविधियों पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू पुलिस ने मीरां साहिब क्षेत्र में रिंग रोड पर एक सरप्राइज नाका चेकिंग अभियान के दौरान दो वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया और अवैध हथियार और गोला-बारूद जब्त किया

पुलिस स्टेशन मीरां साहिब को अपराधियों के बारे में एक विश्वसनीय सूचना मिली - जिनके नाम रजत रैना उर्फ रिशु पुत्र प्रीतम लाल शर्मा निवासी हरमकुंड फ्लोर तहसील मढ़, रघुनंदन केसर उर्फ रघु पुत्र स्वर्गीय गणेश लाल शर्मा निवासी मढ़ और गौरा जट्ट जिन्होंने एक समारोह के दौरान स्वर्ण पैलेस मीरां साहिब में कुछ गोलियां चलाईं, घटना के बाद तीनों मौके से भाग गए।

इस संबंध में एफआईआर संख्या 27/2025 यू/एस 109/3(5) बीएनएस 3/25 आर्म्स एक्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।एसडीपीओ आरएस पुरा और एसपी मुख्यालय जम्मू की देखरेख में एसएचओ मीरां साहिब इंस्पेक्टर जयपॉल शर्मा के नेतृत्व में जम्मू पुलिस टीम ने मानव और तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए अपराधियों को पकड़ने के लिए मीरां साहिब क्षेत्र में रिंग रोड पर एक सरप्राइज नाका (चेकपॉइंट) स्थापित किया और आखिरकार दो वांछित अपराधियों रजत रैना उर्फ रिशु और रघुनंदन केसर उर्फ रघु को स्वर्ण स्थान की घटना के कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया जो पंजीकरण संख्या जेके02डीए-2525 वाले थार वाहन में यात्रा कर रहे थे।

सप्ताह में दूसरी बार कार से लाखों की नकदी बरामद, नाबालिग युवक गिरफ्तार

कठुआ 24 फरवरी। जम्मू कश्मीर के जिला कठुआ में सप्ताह में दूसरी बार कार से लाखों की नकदी के साथ एक नाबालिग युवक को गिरफ्तार किया है जबकि दूसरा युवक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। हालांकि खबर लिखे जाने तक आधिकारिक तौर पर पुलिस ने इस पूरे मामले की पुष्टी नहीं की है।

कठुआ जिला में कार के जरिए नकदी का आदान-प्रदान का दूसरा मामला सामने आया है। कठुआ थाना अधिकार क्षेत्र भागथली में पुलिस द्वारा लगाए गए नाके के दौरान एक बीना नंबर की आई 20 कार को जांच के लिए रोका जोकि पंजाब की ओर से आर रही थी। पुलिस को देख एक कार सवार मौके से फरार होने में कामयाब रहा जबकि दूसरे नाबालिग युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जांच के दौरान कार से 35 लाख से अधिक की नकदी बरामद की गई, जिसे कठुआ पुलिस ने जब्त कर लिया। इसी बीच फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट की देखरेख में कैश की गिनती की गई जिसमें 35 लाख 8 हजार 830 रूपए नकदी पाई गई।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बरामद कैश के तार पशु तस्करी के साथ जुड़ रहे हैं। यह पैसा पशु तस्करी के लेनदेन में इस्तेमाल किया जाना था जिसे कठुआ पुलिस ने विफल कर दिया।

फिलहाल नकदी और कार को जब्त कर लिया है और इसमें शामिल एक नाबालिग युवकों को हिरासत में लिया है जबकि दूसरे फरार युवक की तलाश जारी है। गौरतलब हो कि एक सप्ताह पहले भी जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर में 3 करोड रुपए से अधिक की नकदी कार से बरामद की गई थी। जिसे आगे की जांच के लिए आयकर विभाग को मामला सौंप दिया गया था।

अवैध खनन में लिप्त 05 वाहन जब्त

कठुआ 24 फरवरी। अवैध खनन के खिलाफ जारी अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने पुलिस स्टेशन बिलावर के अधिकार क्षेत्र में अवैध खनन में शामिल 05 ट्रैक्टर ट्रॉलियों को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार एसडीपीओ बिलावर और एसएचओ पुलिस स्टेशन बिलावर के मार्गदर्शन में पुलिस स्टेशन बिलावर की पुलिस टीम ने खनन विभाग की वैध अनुमति के बिना रेत से भरी कुल पांच ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है।

इसके अलावा पुलिस चैकी रामकोट की पुलिस टीम ने बजरी से भरे दो ट्रैक्टर ट्रॉली भी जब्त किए हैं।

इस बीच अवैध खनन में शामिल सभी 05 वाहनों को जब्त

कर तुरंत आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए भूवैज्ञानिक और खनन विभाग कठुआ के अधिकारियों को सौंप दिया गया।

जम्मू-कश्मीर सात साल के अंतराल के बाद पंचायत चुनावों के लिए तैयार

श्रीनगर, 24 फरवरी। सात साल के अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर में पंचायत चुनाव होने की तैयारी चल रही है। अप्रैल और मई के बीच चुनाव होने की उम्मीद है। कई चरणों में होने वाले इन चुनावों को क्षेत्र में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सुचारू और कुशल चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां चल रही हैं। चरणबद्ध तरीके से मतदान केंद्रों और सुरक्षा व्यवस्था के बेहतर प्रबंधन की उम्मीद है। आगामी पंचायत चुनाव महत्वपूर्ण हैं क्योंकि 2018 के बाद से यह पहला ऐसा चुनाव है और इससे गांव स्तर पर स्थानीय शासन और प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि अधिकारी आने वाले हफ्तों में औपचारिक कार्यक्रम की घोषणा कर सकते हैं।

यात्री वाहन सड़क से नीचे लुढ़का, महिला की मौत, 12 घायल

रामबन, 24 फरवरी। जम्मू संभाग के रामबन जिले में सोमवार को एक यात्री वाहन के पहाड़ी सड़क से नीचे लुढ़क जाने के कारण एक महिला की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह वाहन सुदूर चब्बा गांव से रामबन आ रहा था, तभी गली अपर नीरा में यह दुर्घटना हुई। मृतक महिला की पहचान संकेशा देवी (33) के रूप में हुई, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। चार महिलाओं सहित 12 अन्य को बचाव कर्मियों ने उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया है। घायलों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों की पहचान पटियाल सिंह (45), चालक सुरजीत सिंह (28), चैन सिंह (49), संतोक सिंह (29), अमर ज्योति (24), सीमा देवी (40), रघुवीर सिंह (36), राज गोपाल सिंह (24), केहर सिंह (36), रंगील सिंह (28), विद्या देवी (50) और 2 वर्षीय मनिका देवी के रूप में हुई है।

डोडा में टाउन हॉल के पास पार्किंग से 12 बोर की बंदूक और 25 राउंड बरामद

जम्मू,, 24 फ़रवरी । डोडा जिले में टाउन हॉल के पास स्थित पार्किंग एरिया में आज सुबह एक संदिग्ध बंदूक और गोला-बारूद बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11 .30 बजे पुलिस उपाधीक्षक अजय आनंद को सूचना मिली कि पार्किंग क्षेत्र में पानी की टंकी के पीछे 12 बोर की बंदूक और 25 राउंड पड़े हुए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची और हथियार को अपने कब्जे में ले लिया। बरामद हथियार और राउंड को जांच के लिए भेज दिया गया है।

फिलहाल, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि हथियार वहां किसने और क्यों छोड़ा। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सुरक्षा कारणों से टाउन हॉल और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

नियंत्रण रेखा के पास कई स्थानों पर चलाया तलाशी अभियान

पुंछ, 24 फरवरी। सुरक्षाबलों ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, ताकि उन आतंकवादियों को मार गिराया या पकड़ा जा सके, जो पिछले साल सीमा पार से इस तरफ घुसने में कामयाब रहे हैं। माना जाता है कि वे ऊंचे इलाकों में घने जंगलों में छिपे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने गुरसाई में फमरनार, कीकर मोड़, जबदान गली और हरनी तथा मेंढर में ब्रेला और कस्बालारी और सुरनकोट में बाफलियाज जंगल की संयुक्त रूप से घेराबंदी की।

जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी और बारिश की संभावना

श्रीनगर, 24 फरवरी । भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि जम्मू-कश्मीर में एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार यह मौसम प्रणाली मंगलवार से शुक्रवार (25-28 फरवरी) तक प्रभावी रहेगी जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम के मिजाज में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा। श्रीनगर में मौसम विज्ञान केंद्र ने कई क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति की संभावना के कारण लोगों को अपडेट रहने की सलाह देते हुए येलो वॉच जारी की है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भारी बर्फबारी से साधना दर्रा, राजदान दर्रा, सोनमर्ग-जोजिला-गुमरी, मुगल रोड और सिंथन दर्रा सहित प्रमुख मार्गों पर संपर्क प्रभावित हो सकता है। अधिकारियों को कम दृश्यता और बर्फबारी के कारण हवाई यात्रा में संभावित व्यवधान की भी आशंका है। इसके अलावा भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटनाओं का जोखिम बढ़ गया है खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में जो परिवहन और आवश्यक सेवाओं को प्रभावित कर सकता है। आपातकालीन प्रबंधन एजेंसियों को किसी भी व्यवधान के लिए त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए हाई अलर्ट पर रहने की सलाह दी गई है।

उपायुक्त जम्मू ने स्वच्छ सर्वेक्षण गतिविधियों की समीक्षा की

जम्मू 24 फ़रवरी। उपायुक्त जम्मू सचिन कुमार वैश्य ने दुनिया के सबसे बड़े शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण, स्वच्छ सर्वेक्षण गतिविधियों की समीक्षा के लिए एक बैठक बुलाई। बैठक में नागरिक भागीदारी और अंतर-एजेंसी समन्वय के माध्यम से जिले में स्वच्छता उपायों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

जम्मू नगर निगम के संयुक्त आयुक्त (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता) अब्दुल स्टार ने उपायुक्त को स्वच्छ सर्वेक्षण की नई रूपरेखा के बारे में जानकारी दी।

सर्वेक्षण को दस प्रमुख फोकस क्षेत्रों में वर्गीकृत सरलीकृत मूल्यांकन मापदंडों के साथ फिर से डिजाइन किया गया है जिसमें दृश्यमान स्वच्छता, पृथक्करण, कचरे का संग्रह और परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता तक पहुंच, प्रयुक्त जल प्रबंधन, कीचड़ हटाने वाली सेवाओं का मशीनीकरण, स्वच्छता के लिए वकालत, पारिस्थितिकी तंत्र और संस्थागत मापदंडों को मजबूत करना, स्वच्छता कार्यकर्ताओं का समग्र

कल्याण और नागरिक प्रतिक्रिया और शिकायत निवारण षामिल हैं।

उपायुक्त ने सभी क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण की भी सिफारिश की गई।

स्थायी स्वच्छता प्रथाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, डीसी ने नगर निकायों, विभागों और अन्य हितधारकों के बीच समन्वय बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वच्छता पहल के लिए पूर्ण प्रशासनिक समर्थन का आश्वासन दिया और स्वच्छता और स्वच्छता बनाए रखने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

स्वच्छ सर्वेक्षण का उद्देश्य शहरों को उनके स्वच्छता प्रयासों के आधार पर मूल्यांकन और रैंक करना है, जिससे शहरी स्थानीय निकायों को बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी जे.के. पाधा, मुख्य योजना अधिकारी उत्तम सिंह, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यकारी अभियंताओं के अलावा उप मंडल मजिस्ट्रेट, विभिन्न नगर पालिकाओं के कार्यकारी अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

10 ब्यूटी सीक्रेट्स

हर स्मार्ट लडकी हमेशा चमकते और दमकते रहना चाहती है। जाहिर है, आप भी चाहती होंगी। यहा ब्यूटी एक्सपर्ट लक्ष्मी मुंडेतिया बता रही हैं ऐसे ही उपयोगी ब्यूटी सीक्रेट्स, जो आपको देंगे एक नई पहचान।

1. काजल और लिपलाइनर हमेशा लगाना:

आपका ब्वॉयफ्रेंड अचानक आपको कॉफी का ऑफर दे सकता है या एक ही घटे में आपको इंटरव्यू के लिए जाना पड सकता है। इसलिए काजल और लिपलाइनर का इस्तेमाल जरूर करें। सुषमा के मुताबिक काजल भारतीय स्त्री की खूबसूरती में हमेशा ही चार चाद लगाता है। यह आखों का आकर्षण बढाने का आसान तरीका है। इसी तरह लिपलाइनर भी लगाना जरूरी होता है, क्योंकि यह लंबे समय तक टिकता है और फैलता भी नहीं है। अगर आप अपनी पसंदीदा लिपस्टिक लगा रही हैं तो साथ में लिपलाइनर लगाना न भूलें।

इसे आजमाएं: मैक स्मोल्डर इंटेंस ब्लैक आई कोल, शैंबूर लिप टैटू लाइनर

2. सनस्क्रीन जरूर लगाना:

यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह सौंदर्य बढाने में मदद नहीं करता बल्कि त्वचा को धूप की तेज अल्ट्रावॉयलेट किरणों से सुरक्षा प्रदान करती है। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. जमुना पई के मुताबिक धूप से बचने के लिए हर चार घटे में सनस्क्रीन का प्रयोग करना जरूरी है। शोध से यह पता चलता है कि यूवीए किरणें त्वचा के सावलेपन का कारण होती हैं। साथ ही ब्राउन स्पॉट और झुर्रिया भी इन्हीं के कारण होती है। इसलिए चाहे घर पर रहे या बाहर निकलें, लेकिन सनस्क्रीन जरूर लगाएं। लेकिन सनस्क्रीन के नाम पर कोई भी प्रोडक्ट न खरीद लें। उसका लेबल जरूर पढ लें। उसमें दिया गया एसपीएफ यूवीवी किरणें, जो त्वचा के झुलसने और स्किन कैंसर होने से बचाता है। एसपीएफ 15 से 30 भारतीय स्किन टाइप के लिए मुफीद होते है। उसमें मौजूद सामग्री पर भी ध्यान दें जो वास्तव में आपको यूवीए किरणों से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करें। मसलन हेलियोप्लेक्स और मेक्जोरिल युक्त हो।

इसे आजमाएं: लैक्मे सन एक्सपर्ट, न्यूट्रोजेना अल्ट्रा शियर ड्राई-टच सनब्लॉक

3. हर दूसरे दिन शैंपू: क्या कभी आपने अपना पुराना एल्बम पलटते हुए इस बात पर ध्यान दिया है कि आपकी दादी और नानी के बाल आपकी उम्र में कैसे और कितने स्वस्थ थे। आपके बाल अगर उतने स्वस्थ और अच्छे नहीं तो इसका सीधा कारण है प्रदूषण, जंक फूड और स्ट्रेस। इंटरनेशनल हेयर एक्सपर्ट जमाल हाम्मदी के मुताबिक भारतीय युवतियों की सबसे आम समस्या है बालों का रूखापन, क्योंकि हर दूसरी स्त्री कामकाजी है और चारों तरफ प्रदूषण का सामना, धूप का प्रकोप, काम का बोझ और स्ट्रेस का सामना करती है। साथ ही स्ट्रेस के कारण जंक फूड की तरफ रुझान बढ़ने लगता है। इन सबका सीधा असर बालों की सेहत पर पडता है। फैशन अपनाने के कारण स्ट्रेटनिंग, ब्लो-ड्राइंग, कलरिंग और केमिकल ट्रीटमेंट से गुजरती हैं, जिस कारण बालों से कुदरती मॉयस्चर निकल जाता है। ऐसे में बालों की खास देखभाल बहुत जरूरी है। इससे भी जरूरी है अपने बालों की किस्म के मुताबिक हफ्ते में तीन बार शैंपू करना। सबसे बडी बात यह कि स्त्री चाहे किसी भी उम्र की हो, मेकअप किया हो या नहीं, लेकिन जिस दिन शैंपू करती है उस दिन वह बेहद सुंदर दिखती है। इसलिए शैंपू करने में कोताही न बरतें।

इसे आजमाएं: सनसिल्क ब्लैकशाइन विद आवला पर्ल कॉम्प्लेक्स, डव इंटेंस डैमेज थेरेपी शैंपू एंड कंडिशनर

4. भरपूर नींद:

रातभर तारे ही गिनती न रह जाएं। रोजाना समय पर सोने के लिए ठान लें और नियम बनाएं कि आप एक निश्चित समय पर सोएंगी। टिश्यू और सेल्स को रेजुवेनेट करने के लिए नींद बहुत जरूरी है। त्वचा को रेजुवेनेट करने के लिए रात में एक अच्छी नाइट क्रीम लगाएं। रेटिनॉल बेस्ड क्रीम चुनें जो पिग्मेंटेशन, पोर्स और बारीक लकीरों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही कोलेजन को बढाते हैं।

इसे आजमाएं: न्यूट्रोजेना हेल्दी स्किन एंटी-रिंकल नाइट क्रीम, गार्नियर नाइट क्रीम

5. त्वचा को दमकने दें:

डॉक्टर जमुना पई के मुताबिक एक्सफोलिएशन सबसे जरूरी है। प्रदूषण भरे वातावरण में डेड सेल्स की समस्या आम होती है। एक्सफोलिएट इस्तेमाल करने से त्वचा के मृत कोश भी निकल जाते हैं और त्वचा रेशम सी कोमल और चमकदार हो जाती है। डेड सेल्स को हटाने के लिए माइक्रोडर्माब्रेजन और ग्लाइकॉलिक पील्स ट्रीटमेंट करा सकती हैं।

इसे आजमाएं: न्यूट्रोजेना डीप क्लीन स्क्रब, वेजटेबल पील-ऑफ मास्क

6. सही शेप में हों आइब्रोज:

पार्लर में जब आप जाती हैं तो वहा हमेशा जूनियर ब्यूटीशियन ही आइब्रोज बनाने के लिए क्यों तैयार रहती है? आइब्रोज बहुत महत्वपूर्ण फीचर है। वह जैसी शेप बना देंगे आप वैसी ही दिखने लगेंगी। इनके साथ एक्सपेरिमेंट न करें। सीनियर ब्यूटीशियन से ही बनवाएं। आइब्रोज की शेप से पता चलता है कि आप गुस्सैल हैं, हंसमुख, खुशमिजाज, चतुर या सौम्य हैं। इसलिए परफेक्ट शेप रखें। यह ध्यान दें कि आपकी आइब्रोज आपकी आखों की लाइन के पास से ही शुरू हों और आखों के कोनों के बाहर तक खत्म हों। जब आपको लगे कि आपकी आइब्रोज की शेप बिगड़ रही है, लापरवाही न करें और थ्रेडिंग जरूर कर लें।

7. मेहंदी और ऑयल ट्रीटमेंट:

रेशमी बाल और चमकदार त्वचा हर स्त्री का गहना होते हैं। इसलिए हफ्ते में एक बार हॉट ऑयल मसाज बेहद जरूरी है। स्कैल्प में तेल जज्ब हो जाए इसलिए मसाज के बाद बालों में गर्म तौलिया लपेटें। मसाज के लिए कोकोनट ऑयल का ही इस्तेमाल करें। ऑलिव ऑयल बालों के लिए हेवी हो सकता है। इसके अलावा महीने में एक बार मेहंदी ट्रीटमेंट भी ले। मेहंदी पाउडर में कॉफी पाउडर और अंडे की जर्दी मिलाकर पेस्ट बनाएं। वेजटेरियन लोग अंडे की जगह शहद का प्रयोग कर सकते हैं और अगर आप बालों में मेहंदी का रंग नहीं चढ़ाना चाहती हैं तो उससे पहले तेल लगाना न भूलें।

8. एक अच्छा हेयर कट: जब कुछ समझ न आए तो एक अच्छा हेयर कट लें। लेकिन अपनी पर्सनैल्टी और चेहरे पर सूट करने वाला। प्रत्येक दो-चार माह में हेयरकट जरूरी है। बिखरे, उलझे, दो मुंहे, बेजान बाल आपके व्यक्तित्व के आकर्षण को खत्म कर देते हैं। एक अच्छा हेयरकट आपकी पर्सनैल्टी में वॉल्यूम भर देता है। अपने हेयर एक्सपर्ट की सलाह से ऐसा हेयरकट लें, जो आप पर सूट करे और आपको स्मार्ट बनाए।

9. लकीरों को करें बाय-बाय: अपनी त्वचा को हाइड्रेट रखकर आप असमय झुर्रियों से बच सकती हैं। अगर यह कल्पना नहीं कर सकतीं कि मॉयस्चर की कमी से आपकी त्वचा का क्या हाल हो सकता है तो एक फ्रेश ब्लैक ग्रेप को किशमिश का रूप लेते देख सकती हैं। मॉयस्चर की कमी और सूखने पर वही ताजा अंगूर सिकुडी हुई किशमिश में बदल जाता है। उसी तरह नमी की कमी के कारण त्वचा भी सिकुड़ सकती है। बेजान, रूखी हो सकती है। बेहतर होगा कि ऑयल फ्री मॉयस्चराइजर हमेशा अपने साथ रखें। जब भी त्वचा रूखी लगे थोडा सा मॉयस्चराइजर जरूर लगाएं।

इसे आजमाएं निविया बॉडी मॉयस्चराइजिंग लोशन

10. सेहत का रखें खयाल:

स्वास्थ्य सही हो तो सौंदर्य दोगुना हो जाता है। स्वास्थ्य तभी सही रह सकता है जब आप अपना खयाल रखें। सही वक्त पर सही, संतुलित एवं पौष्टिक आहार लें। हफ्ते में कम से कम 5 बार 30 से 40 मिनट तक एक्सरसाइज करें। वजन पर नियंत्रण रखने के लिए जंक फूड, ऑयली चीजें और मिर्च मसालों से दूर रहें। एक्सरसाइज से रक्त संचार बढ़ता है और चेहरे पर ग्लो आता है। तो स्मार्ट गर्ल बनने के लिए थोडी मेहनत करनी होगी। आज ही और अभी से..।

देखभाल नीलम की..

इस रत्न की साफ-सफाई करने के लिए अल्ट्रासोनिक क्लीनर्स और साबुन के झागदार पानी का इस्तेमाल कर सकती है। साफ-सफाई के लिए मुलायम ब्रश का प्रयोग कर सकती है।

- नीलम अन्य रत्नों की तुलना में कठोर होता है। इसलिए तुलनात्मक रूप से मुलायम समझे जाने वाले रत्नों को नीलम के साथ नहीं रखना चाहिए। मुलायम रत्नों पर खरोंच या स्क्रैच आदि पड़ सकते है।
- अंगूठी व अन्य आभूषणों में जड़े नीलम की ग्रिप को समय-समय पर देखती रहे कि यह ग्रिप से बाहर तो नहीं निकल रहा है। यदि ग्रिप सही नहीं है तो किसी प्रतिष्ठित दुकान से इसे ठीक करवा सकती है।
- व्यायाम या अन्य कोई शारीरिक श्रम करते समय इस रत्न के आभूषणों को निकालकर सुरक्षित रख देना चाहिए। ऐसा इसलिए ताकि रत्न पर कोई दाग-धब्बा न लगे।
- विश्वसनीय और प्रतिष्ठित रत्न विक्रेता से ही रत्न खरीदें। रत्न के विभिन्न प्रकारों को देखकर आकलन करे कि कौन सा पसंद है? साथ ही रत्न की कीमत का भी आकलन करे।
- नीलम में रंगों का सही संयोजन करने के लिए इसे उच्चताप पर गर्म किया जाता है। रत्न खरीदते समय यह सुनिश्चित कर लें कि आप जो रत्न खरीदने जा रही है, वह गर्म किया हुआ [हीटेड] है या नहीं? वैसे बाजार में अनहीटेड नीलम भी उपलब्ध होते है। अनहीटेड नीलम दुर्लभ होते है और इनकी कीमत भी ज्यादा होती है।
- बाजार में विभिन्न आकार और कटिंग्स में नीलम उपलब्ध है। ओवल और 'कुशन' कटिंग भी प्रचलन में है। आजकल इमराल्ड कट्स और हार्ट कट्स भी प्रचलन में है।

तैयार हों पार्टी के लिए

एक बेहतरीन पार्टी के लिए कैसे तैयार हों, बता रही हैं।

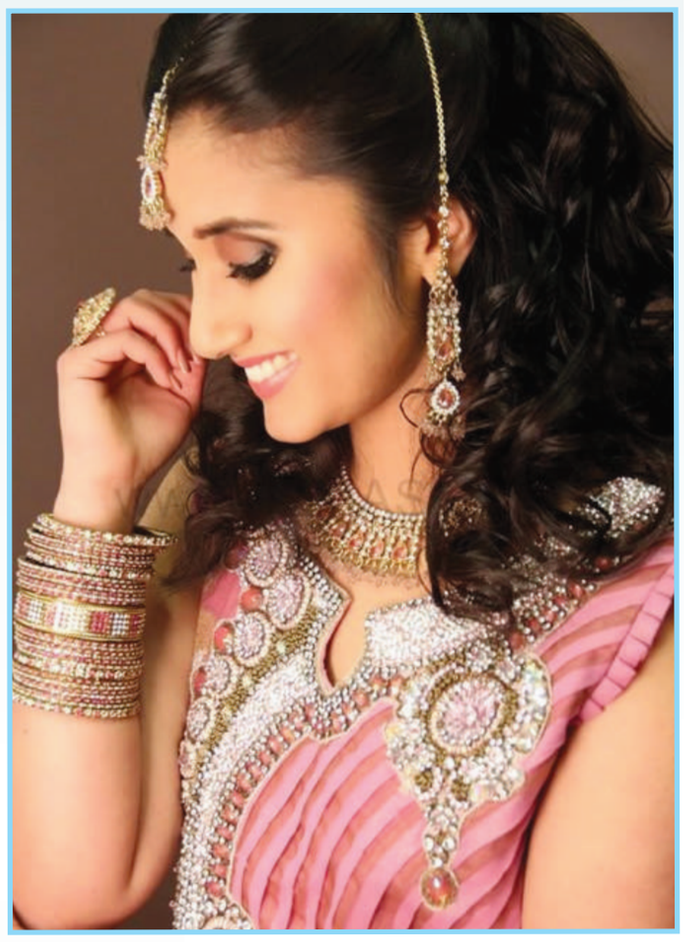

- सबसे पहले चेहरे पर क्लेंजिंग मिल्क लगाएं और रुई की सहायता से चेहरा साफ करें। फिर अपनी त्वचा के मुताबिक टोनर लगाएं। सबसे अंत में मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि त्वचा की कोमलता बनी रहे।
- अपनी त्वचा की रंगत से मेल खाता फाउंडेशन ऊपर से नीचे और भीतर से बाहर की दिशा में लगाएं। गर्दन पर भी ठीक से लगाएं। फिर चीक बोंस [गाल के उभार वाले स्थान पर] क्रीम ब्लशर लगाएं ताकि चेहरा चमकदार हो जाए। आप बेबी पिंक या पीच शेड चुन सकती हैं।
- अपने कपड़ों या त्वचा की रंगत से मेल खाता आइशैडो लगाएं। हलका काजल और पलकों पर आई पेंसिल से पतली रेखा खींचे। फिर अपनी उंगली के टिप से हलका फैलाएं ताकि रेखा अलग से नजर न आए।
- मस्कारा का दो कोट जरूर लगाएं। बरौनियों [आइलैशेज] पर भीतर से बाहर की ओर फैलाते हुए लगाएं।
- शाम के लिए ऑरेंज, रेड बेरी, मोव या रेड रंग की लिपस्टिक चुनें। क्रीमी मैट लिपस्टिक लगाएं। फिर एक बार टिश्यू पेपर होंठों के बीच रखकर दबाएं। दोबारा लिपस्टिक लगाएं। फिर होंठों के बीचोंबीच हलका लिप ग्लॉस लगाएं ताकि होंठ आकर्षक नजर आएं।

शाम के लिए

- अपनी त्वचा की रंगत से मेल खाता फाउंडेशन चुनें। चेहरे व गर्दन पर अच्छी तरह लगाएं। चेहरे के उभार वाले स्थान पर, जिसे आप खासतौर से उभारना चाहती हों, वहा थोड़ा गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं।
- कॉम्पैक्ट पाउडर लगाएं, ऊपर से नीचे की दिशा में। चीक बोंस पर ब्लशर लगाएं। थोड़ा ब्लशर माथे और ठोढ़ी पर लगाएं ताकि आकर्षण बढ़े।
- भौहों के थोड़ा नीचे हाइलाइटर लगाएं। हलके शेड वाला आइशैडो पलकों पर लगाएं। जहा पलकें मुड़ती हैं वहा हलका गहरा आइशैडो लगाएं। फिर अच्छी तरह फैलाएं।
- नीचे की बरौनियों के पास हलका गहरा शैडो लगाएं। पतले ब्रश की सहायता से अच्छी तरह फैलाएं। बाहरी कोने से थोड़ा बाहर तक फैलाएं।
- भूरे रंग का काजल लगाएं। आइलाइनर से पतली व बारीक रेखा खींचें। मस्कारा का दो कोट लगाएं। चाहें तो कलर्ड मस्कारा लगा सकती हैं। गहरे रंग की लिपस्टिक लगाएं। उस पर हलकी गोल्डन डस्ट पाउडर लगाएं ताकि आप ग्लैमरस नजर आएं।

नाखून लगें स्टाइलिश

हाथों में मेहंदी और नाखूनों पर नगीने। शादियों के सीजन में यह कमाल लुक आजमा रही हैं

कानपुर की दुल्हनें

शादी की रात के लिए हाथों में मेहंदी तो सभी वधुएं लगवाती हैं, लेकिन नया ट्रेंड है नेल आर्ट का। इस कला में नाखूनों को इस ढंग से सजाया जाता है कि वे कांप्लीमेंट देते हैं जूइलॅरि और मेकअप को। जी हां, नाखूनों को पहले आकर्षक बनाने के लिए नेल पॉलिश का प्रयोग होता था, लेकिन अब इन्हें बारीक नग और जूइॅल्रि से सजाया जा रहा है।

आजमा रही है नेल आर्ट

नवविवाहिता सारिका दीक्षित जिन्होंने बीते माह अपनी शादी में नेल आर्ट आजमाई थी, कहती हैं, शादी, पार्टी में जब हर अंग को सजाया जाता है तो फिर नाखून क्यों छोड़े जायें? नाखूनों को यदि इंर्पोटेड नग और बेहतरीन डिजाइन से सजाया जाये तो यह न सिर्फ हाथों को नया लुक देते हैं, बल्कि सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं।

नजर आएंगी अलग

ब्यूटी एक्सपर्ट निहारिका त्रिपाठी कहती हैं, जितने तरह के हाथ, उतने तरह के नाखून और उतनी तरह की सजावट। नेल आर्ट में बहुत सावधानी रखनी पड़ती है। नाखूनों पर नगों, जूइॅल्रि और नेलपेंट से कई तरह की सजावट की जाती है। यदि नाखूनों की बनावट के साथ कास्ट्यूम कांबीनेशन पर ध्यान रखकर सजावट की गई तो बेशक हाथ भीड़ में अलग ही नजर आयेगा।

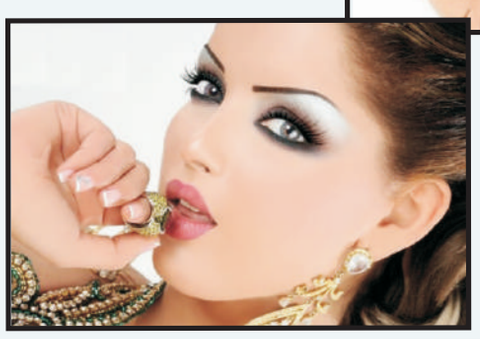

हर तरह का लुक

इस ट्रेंड पर एट्रेक्सन लेडीज ब्यूटी सैलून की ब्यूटी एक्सपर्ट नूरी शौकत कहती हैं, %%नेल आर्ट की सारी सामग्री काफी बारीक होती है। सारी सजावट निडिल के सहारे से की जाती है। एक्सपर्ट महज 30 मिनट में आपके नाखूनों की रंगत बदल देती हैं। शादी में तो खैर कोई सीमा ही नहीं है, लेकिन साधारण पार्टी की बात करें तो नेल्स के इस मेकअप का खर्च 100 रुपये से 400 रुपये तक आता है और नववधुओं के बाद इसे आजमाने वालों में टीन गर्ल्स अधिक होती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एसकेआईसीसी से के2के ईवी ड्राइव को हरी झंडी दिखाई

श्रीनगर 24 फ़रवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के लॉन से सबसे तेज इलेक्ट्रिक वाहन ड्राइव, कश्मीर से कन्याकुमारी के दूसरे सीजन को हरी झंडी दिखाई।

आयोजकों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा, यह अभियान वाहन प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति, चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास और भारत के ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के तेजी से विकास के प्रमाण के रूप में खड़ा है। टीम के प्रयास पर विश्वास व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री ने उनके पिछले रिकॉर्ड को पार करने की उनकी महत्वाकांक्षा को स्वीकार किया, इस बार टाटा कर्व ईवी में कश्मीर से कन्याकुमारी तक 80 घंटे की प्रभावशाली यात्रा का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने रैली के बारे में कहा, अगली पीढ़ी की जेन 2 मोटर तकनीक, एक मजबूत 55 किलो वॉट बैटरी से लैस और भारत के विस्तारित ईवी बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित, इस ड्राइव से लंबी दूरी की इलेक्ट्रिक यात्रा में नए मानक स्थापित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों को सुरक्षित और सफल यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनकी उपलब्धि देश भर में टिकाऊ परिवहन को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

श्री चंडी माता का वार्षिक स्थापना दिवस 1 मार्च को महा लक्ष्मी मंदिर परिसर में मनाया जाएगा

जम्मू, 24 फरवरी। सर्व शक्ति चंडी माता मंदिर, जम्मू 1 मार्च को श्री महा लक्ष्मी मंदिर, पक्का डंगा, जम्मू के परिसर में सर्व शक्ति चंडी माता मंदिर में श्री चंडी माता (मचैल वाली) का वार्षिक दिवस समारोह (स्थापना दिवस) मना रहा है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह निर्णय लिया गया है कि हवन और कंजक पूजन 1 मार्च 2025 को सुबह 8 बजे से 10 बजे तक होगा। हालाँकि, भंडारे का आयोजन ब्राह्मण सभा, परेड ग्राउंड में दोपहर 12:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक किया जाएगा। और दोपहर 01:00 बजे से श्री महा लक्ष्मी जी मंदिर, पक्का डंगा, जम्मू में कीर्तन किया जाएगा। रात्रि 08:00 बजे तक किया जाएगा। श्री चंडी माता का स्थापना दिवस भक्तों और मंदिर समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण उत्सव है, क्योंकि यह शक्ति, साहस और सुरक्षा का प्रतीक देवी चंडी की उपस्थिति का सम्मान करता है। यह दिन न केवल ईश्वर के साथ गहरे संबंध को दर्शाता है, बल्कि अपने अनुयायियों के बीच एकता, शांति और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मंदिर की चल रही प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डालता है। मंदिर सभी भक्तों और समुदाय के सदस्यों को इस आध्यात्मिक उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है। श्री चंडी माता का स्थापना दिवस न केवल देवता का सम्मान करने का दिन है, बल्कि सभी के लिए भक्ति, कृतज्ञता और प्रार्थना में एक साथ आने का अवसर भी है। श्री महा लक्ष्मी माता मंदिर लंबे समय से समुदाय के लिए एक आध्यात्मिक केंद्र रहा है, जो पूजा, शांति और ज्ञान के स्थान के रूप में कार्य करता है। समावेशिता की भावना को बढ़ावा देते हुए क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने की मंदिर की प्रतिबद्धता ने इसे आने वाले सभी लोगों का प्यार और सम्मान अर्जित किया है। नियमित धार्मिक आयोजनों और त्योहारों के माध्यम से, मंदिर अपने समर्पित अनुयायियों को अपनेपन और जुड़ाव की भावना प्रदान करता रहता है।

मुख्यमंत्री द्वारा समागम-2025 में अंग दान पर अधिक जागरूकता, सहयोग का आह्वान

श्रीनगर 24 फ़रवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लोगों की जान बचाने में चिकित्सा विशेषज्ञों और संस्थानों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन, जम्मू-कश्मीर के सहयोग से राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम समागम-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आयोजकों की सराहना की और किडनी और कॉर्निया प्रत्यारोपण के क्षेत्र में शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज श्रीनगर और जीएमसी जम्मू के अनुकरणीय कार्य की सराहना की।

उन्होंने इन संस्थानों से जम्मू-कश्मीर में मृत अंग दान शुरू करने की दिशा में अपने प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया।

अंग दान के बारे में व्यापक जागरूकता और स्वी.ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि चिकित्सा विशेषज्ञों को इस विषय पर जानकारीपूर्ण चर्चा को बढ़ावा देने और आम सहमति तक पहुंचने के लिए धार्मिक विद्वानों और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग करना चाहिए। उन्होंने स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने के लिए इन संस्थानों को मजबूत करने में पूर्ण सरकारी समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने स्व-दवा, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और शारीरिक गतिविधि की कमी के प्रतिकूल प्रभावों पर भी प्रकाश डाला और लोगों से स्वस्थ आदतें अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने कश्मीर के अंग और ऊतक दान के राजदूतों को सम्मानित किया, जिनमें जीएमसी श्रीनगर में नेत्र विज्ञान विभाग के पूर्व प्रमुख और एक प्रसिद्ध नेत्र सर्जन स्वर्गीय डॉ. मंजूर अहमद का परिवार भी शामिल था। उनकी आंखें साथी नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. खुर्शीद अहमद और डॉ. सीमा मियां द्वारा मरणोपरांत दान की गईं। इसके अतिरिक्त, स्वस्थ जीवन जी रही किडनी प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता सुश्री हीनू मुश्ताक को भी सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में भारत में अंग दान के वर्तमान परि.श्य, मृत अंग दान और प्रत्यारोपण के विकास, इस्लाम और अंग/ऊतक दान और जम्मू-कश्मीर में मृत अंग दान करने के अलावा अंग दान और प्रत्यारोपण के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ विचार-विमर्श किया गया। भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल, एनओटीटीओ, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. अनिल कुमार, स्किम्स के निदेशक डॉ. अशरफ गनई, जीएमसी श्रीनगर के प्रिंसिपल डॉ. इफ़्त हसन शाह और जीएमसी जम्मू के प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष गुप्ता भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

स्वयं सेवक वृद्धाश्रम का दौरा कर बुजुर्गों के दुखसुख में शामिल हुए, चलाया सफाई अभियान

कठुआ 24 फरवरी (हि.स.)। एनएसएस सात दिवसीय विशेष शीतकालीन शिविर के चैथे दिन महिला डिग्री कॉलेज कठुआ के स्वयंसेवकों ने कठुआ में वृद्धाश्रम का दौरा किया, जहां उन्होंने निवासियों के साथ बातचीत करते हुए गुणवत्तापूर्ण समय बिताया और उनके सुखदुख में शामिल हुए। स्वयंसेवकों ने बुजुर्गों को सहयोग और भावनात्मक समर्थन प्रदान किया। वृद्धाश्रम दौरे के बाद एनएसएस स्वयंसेवकों ने कठुआ की प्राचीन बाबलियों में सफाई अभियान चलाया। इस पहल के हिस्से के रूप में उन्होंने पर्यावरण जागरूकता और स्वच्छता को बढ़ावा देते हुए एक स्थानीय जल निकाय और उसके आसपास की सफाई की। संपूर्ण गतिविधि प्रभारी प्राचार्य डॉ. सीमा जॉली के संरक्षण और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ऋतु कुमार शर्मा की देखरेख में आयोजित की गई। एनएसएस समिति के अन्य सदस्य में संजीव जामवाल और प्रोफेसर सोनिका जसरोटिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे, जिन्होंने इस नेक काम को अपना समर्थन दिया। यह पहल सामाजिक जिम्मेदारी, सामुदायिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति एनएसएस स्वयंसेवकों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रियासी में प्राइवेट क्लिनिक में काम करने वाले एक सहायक से जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड करवाए

जम्मू, 24 फ़रवरी (हि.स.)। रियासी में प्राइवेट क्लिनिक में काम करने वाले एक सहायक से जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड करवाए जाने का मामला सोमवार को प्रकाश में आया जिस में बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने इस का विरोध जताया। बताया जाता है कि जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड करने वाले डॉक्टर की सोमवार को छुट्टी होने पर अस्पताल प्रशासन ने प्राइवेट क्लिनिक में काम करने वाले एक अल्ट्रासाउंड टेक्नीशियन को बुलाया। मामले की जानकारी कांग्रेस के युवा नेता करन देव सिंह को मिली तो वह मौके पर पहुंचे और पुरुष के द्वारा महिलाओं का अल्ट्रासाउंड करने का विरोध जताया इस के साथ ही अस्पताल प्रशासन को भी आढ़े हाथों लिया। अस्पताल के मेडिकल सुप्रीडेंट गोपाल दत्त ने कहा कि अस्पताल में आने वाले अल्ट्रासाउंड करवाने आने वाले लोगों को कोई परेशानी नहीं हो और कहीं भटकना नहीं पड़े इस के लिए प्राइवेट टेक्नीशियन का सहारा लिया गया था। मौके पर डीएसपी विशाल सिंह जमवाल भी पहुंचे

इस दौरान प्राइवेट मेडिकल एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल भी अधिकारी से मिलने पहुंचा। कांग्रेस नेता करन देव सिंह ने कहा कि अस्पताल में आए दिन कोई न कोई नया मामला सामने आ रहा है जिस की उच्चस्तर पर जांच की जानी चाहिए।

सुथरन खाग के निवासियों ने गलत पानी के बिलों का विरोध किया, पीएचई से कार्रवाई की मांग

बडगाम, 24 फरवरी (हि.स.)। मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के सुथरन खाग के निवासी गलत पानी के बिलों की एक श्रृंखला को लेकर नाराज हैं और कई लोगों ने ऐसे कनेक्शनों के लिए शुल्क की रिपोर्ट की है जिनके लिए उन्होंने कभी अनुरोध नहीं किया था या उन्हें कभी प्राप्त नहीं हुए थे। स्थानीय उपभोक्ता नजीर अहमद शेख जिन्होंने हाल ही में एक नया घर बनाया है, ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने हाल ही में एक नया घर बनाया है फिर भी मुझे पानी का बिल मिला है जबकि मैंने कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं किया है।

कई अन्य निवासियों ने भी इसी तरह की चिंताएँ साझा की हैं, बिलिंग प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग पीएचई विभाग से स्पष्टता की माँग की है। पूर्व सरपंच अडेल जहाँगीर ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि जब कोई आधिकारिक कनेक्शन अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया गया है तो ये शुल्क कैसे लगाए जा सकते हैं।

मुख्य सचिव ने ईओडीबी सुनिश्चित करने के लिए बीआरएपी सुधारों की प्रगति का मूल्यांकन किया

जम्मू 24 फ़रवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने के उद्देश्य से बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान-2024 के तहत अनुशंसित सुधारों को अपनाने में हुई प्रगति की समीक्षा के लिए संबंधित विभागों के सभी प्रशासनिक प्रमुखों की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने विभागवार उन सुधार बिंदुओं का मूल्यांकन किया जो लागू हो चुके हैं और जो अभी भी लंबित हैं। उन्होंने लागू किए जाने वाले प्रत्येक सुधार की स्थिति की गहनता से जांच की और उन सुधारों के लिए स्पष्टीकरण मांगा जिन्हें अभी भी लागू किया जाना है। मुख्य सचिव ने इन सुधारों के महत्व पर जोर देते हुए सभी संबंधित विभागों को बिना किसी अपवाद के पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक सुधार व्यावसायिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और जम्मू-कश्मीर में व्यापार-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी विभागों को अपने कार्यान्वयन प्रयासों में तेजी लाने और 15 मार्च, 2024 की निर्धारित समय सीमा को पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने बीआरएपी कार्यान्वयन के लिए नोडल विभाग, उद्योग और वाणिज्य विभाग को सभी सुधार बिंदुओं के निर्बाध निष्पादन के लिए सभी विभागों को आवश्यक सहायता देने की सलाह दी। उन्होंने 15 मार्च की समय सीमा तक बीएआरपी राष्ट्रीय पोर्टल पर इन सभी सुधारों के साक्ष्य दस्तावेज समय पर अपलोड करने का भी आदेश दिया। इन व्यावसायिक सुधारों को लागू करने में जम्मू-कश्मीर की प्रगति के बारे में आयुक्त सचिव, उद्योग और वाणिज्य, विक्रमजीत सिंह ने सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 2014-15 में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा शुरू किए गए बीआरएपी के विकास के बारे में जानकारी प्रदान की।

'संसदीय प्रक्रियाओं के नियमों, परंपराओं के अनुसार नोटिस का प्रचार-प्रसार'

जम्मू 24 फ़रवरी । हाल ही में कुछ सदस्यों द्वारा नोटिस के प्रचार के जवाब में, विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने कहा कि सदन के नियमों और परंपराओं के अनुसार, किसी भी सदस्य या अन्य व्यक्ति द्वारा किसी नोटिस को तब तक प्रचारित नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे अध्यक्ष द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है। अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा, 'जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 368 में प्रावधान है कि किसी भी सदस्य या अन्य व्यक्ति द्वारा नोटिस को तब तक प्रचारित नहीं किया जाएगा जब तक कि इसे अध्यक्ष द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है और सदस्यों को वितरित नहीं किया जाता है। इसी प्रकार, किसी प्रश्न की सूचना को उस दिन तक कोई प्रचार नहीं दिया जाएगा जब तक सदन में प्रश्न का उत्तर नहीं दिया जाता है।'' अध्यक्ष ने आगे कहा, लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के नियम 334-ए में यह भी प्रावधान है कि किसी भी सदस्य या अन्य व्यक्ति द्वारा नोटिस को तब तक प्रचारित नहीं किया जाएगा जब तक कि इसे अध्यक्ष द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है और सदस्यों को वितरित नहीं किया जाता है। साथ ही किसी प्रश्न की सूचना का उस दिन तक कोई प्रचार नहीं किया जाएगा जब तक कि सदन में प्रश्न का उत्तर न दे दिया जाए।'' इस विषय पर प्रसिद्ध अधिकारियों द्वारा संसदीय प्रक्रिया और अभ्यास पर बात करते हुए, अध्यक्ष ने कहा, श्री एम.एन. कौल एवं श्री एस.एल. शकधर, जो इस विषय पर प्रसिद्ध प्राधिकारी हैं, द्वारा संसद की प्रथा और प्रक्रिया पर वार्ता के अनुसार, यह प्रावधान किया है कि संसदीय प्रथा, उपयोग और परंपरा के अनुसार किसी भी कारण से प्रश्नों की सूचनाओं, स्थगन प्रस्तावों, संकल्पों, प्रश्नों के उत्तर और सदन के कामकाज से जुड़े अन्य समान मामलों को प्रेस में समय से पहले प्रचारित करना अनुचित है। यदि ऐसा होता है, तो अध्यक्ष इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त कर सकते हैं।

पीडीपी नेता महबूबा मुती द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, श्री राथर ने कहा, मुझे यह कहते हुए खेद है कि उन्हें उचित सलाह नहीं दी गई थी और उनका बयान नियमों के खिलाफ है

प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में मप्र को मिले 25 हजार 600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

भोपाल, 24 फरवरी (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन सोमवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शिखर सम्मेलन टेक इन्वेस्ट मध्य प्रदेश सत्र का आयोजन किया गया। शिखर सम्मेलन में विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कुल 25 हजार 640 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग एक लाख 83 हजार 400 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी सोनिया परिहार ने दी। उन्होंने बताया कि आईटी और आईटीएस क्षेत्र में 5500 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ। इससे अनुमानित 93 हजार रोजगार सृजित होंगे। ईएसडीएम क्षेत्र में 14 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे लगभग 14 हजार रोजगार सृजित होंगे। डेटा सेंटर के लिये 6800 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ, जिसमें 2900 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जीसीसी में 700 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ, जिससे 40 हजार 500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उपायुक्त पुंछ द्वारा श्रम विभाग के कामकाज की समीक्षा

पुंछ 24 फ़रवरी। उपायुक्त पुंछ विकास कुंडल ने सरकार से जुड़े अदालती मामलों पर ध्यान देने के साथ श्रम विभाग के कामकाज की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। उपायुक्त ने सहायक श्रम आयुक्त और संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए कि एकपक्षीय निर्णयों को रोकने के लिए नियमित अदालत में उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में श्रमिकों का पंजीकरण बढ़ाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। उपायुक्त ने जोर देकर कहा, अधिक निर्माण श्रमिकों को आवश्यक लाभों तक उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में लाने के लिए सक्रिय उपायों की तत्काल आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त, प्रमुख नियोक्ताओं द्वारा ठेकेदारों के पंजीकरण पर भी ध्यान दिया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को वेतन भुगतान से संबंधित मुद्दों को कम करने और श्रमिकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने हेतु प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बैठक में श्रम अधिकारों की रक्षा, अदालती मामले प्रबंधन में सुधार और जिले में श्रमिकों के लिए समय पर लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

बैठक में एसीडी, एसई पीएचई, एएलसी, एक्सईएन जेपीडीसीएल, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी (आर एंड बी), श्रम निरीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आईजीपी कश्मीर ने यूएपीए मामलों की जांच पर 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

कश्मीर, 24 फ़रवरी (हि.स.)। आईजीपी कश्मीर ने आज पुलिस नियंत्रण कक्ष कश्मीर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सहयोग से यूएपीए मामलों की जांच पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह पहल जांच अधिकारियों को यूएपीए मामलों में जांच की गुणवत्ता में तेजी लाने और उसे बढ़ाने के लिए नवीनतम तकनीकों, मानक प्रथाओं और जांच कौशल को अपनाने के लिए डिज़ाइन की गई है।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत डीएसपी मुख्यालय श्रीनगर सुश्री स्लीत शाह ने मुख्य अतिथि आईजीपी कश्मीर का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए की। एसएसपी एनआईए श्रीनगर संदीप चौधरी ने आईजीपी कश्मीर और डीआईजी सीकेआर श्रीनगर को स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस कार्यक्रम में एसएसपी श्रीनगर, संयुक्त निदेशक (जेडी) अभियोजन और कश्मीर क्षेत्र के जांच अधिकारियों सहित कश्मीर क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अपने संबोधन में आईजीपी कश्मीर ने प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों को कार्यक्रम के प्रमुख पहलुओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए यूएपीए का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही दक्षता बढ़ाने के लिए जांच कौशल में सुधार किया। आईजीपी कश्मीर ने अधिकारियों से स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करने और तार्किक और व्यवस्थित तरीके से जांच करने के लिए यूएपीए की अपनी समझ को गहरा करने का आग्रह किया। उन्होंने साक्ष्य की स्वीकार्यता और स्पष्ट कार्य योजनाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए सावधानीपूर्वक केस प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर दिया।

पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा की प्रक्रिया के नियमों को जारी करने में देरी पर चिंता जताई

श्रीनगर, 24 फरवरी (हि.स.)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा की प्रक्रिया के नियमों को जारी करने में देरी पर चिंता जताई है। पार्टी ने यह भी कहा कि वह अस्थायी मजदूरों के नियमितीकरण सहित तीन विधेयक पेश करेगी।

एक्स के माध्यम से एक पोस्ट में पीडीपी की युवा शाखा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रक्रिया और व्यवसाय के संचालन के नियमों को पढ़कर खुशी होती लेकिन स्पीकर ने अभी तक इसे जारी नहीं किया है यहां तक कि निर्वाचित विधायकों को भी नहीं।

एक अन्य ट्वीट में पार्टी ने कहा कि वह विधानसभा में तीन विधेयक पेश करेगी। पार्टी ने कहा कि वह अस्थायी मजदूरों के नियमितीकरण के अलावा शराबबंदी और भूमिहीन लोगों को भूमि स्वामित्व देने के लिए भी विधेयक लाएगी।

शराबबंदी विधेयक को लेकर पार्टी खास तौर पर मुखर है। पार्टी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने पहले कहा था कि शराब और ड्रग्स जम्मू-कश्मीर में जीवन और परिवारों को बर्बाद कर रहे हैं और हमें बहुत देर होने से पहले इसे खत्म करने के लिए एक साथ आना चाहिए।

कुपवाड़ा से पीडीपी विधायक फैयाज अहमद मीर द्वारा प्रस्तावित विधेयक में जम्मू-कश्मीर में मादक पेय पदार्थों के विज्ञापन, बिक्री, खरीद, खपत और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

नियमों में देरी को लेकर पीडीपी की आलोचना उस दिन भी हुई जब स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने कुछ विधायकों द्वारा विधानसभा में पेश किए गए नोटिसों को प्रचारित करने पर नाराजगी जताई।

'वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा हासिल करने के लिए वित्त जुटाना जरुरी'

मुंबई, 24 फरवरी (हि.स.)। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को मुंबई में कहा कि वित्त जुटाना 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा हासिल करने की कुंजी है। मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपाद नाईक भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी आज मुंबई में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री जोशी ने नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र को सुलभ वित्त पोषण सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय संस्थानों और नीति निर्माताओं से सामूहिक प्रयास करने का भी आह्वान किया।

महिला डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने जसरोटा वन्यजीव अभयारण्य का शैक्षिक दौरा किया

कठुआ 24 फरवरी (हि.स.)। महिला गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ के जूलॉजी विभाग और आईक्यूएसी ने वन्यजीव विभाग के सहयोग से प्रिंसिपल डॉ. सावी बहल के मार्गदर्शन में बीएससी सेमेस्टर 04 और 06 के छात्रों ने जसरोटा में स्थित जसरोटा वन्यजीव अभयारण्य का शैक्षिक दौरा किया। छात्रों के व्यावहारिक पाठ्यक्रम को पूरक बनाने के लिए डिजाइन की गई इस यात्रा ने जसरोटा वन्यजीव अभयारण्य की समृद्ध जैव विविधता का पता लगाने का एक अमूल्य अवसर प्रदान किया। प्राणीशास्त्र और वनस्पति विज्ञान विभागों के संकाय सदस्यों के साथ छात्रों ने अपने प्राकृतिक आवासों में स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृपों की विभिन्न प्रजातियों का अवलोकन किया। वन्यजीव विशेषज्ञों और वन अधिकारियों ने अभयारण्य के पारिस्थितिकी तंत्र, संरक्षण रणनीतियों और वन्यजीव संरक्षण में चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा करते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया। छात्रों ने आवास विश्लेषण, पक्षी अवलोकन और पारिस्थितिक डेटा संग्रह सहित आवश्यक क्षेत्रीय अनुसंधान तकनीकें भी सीखीं। प्राणीशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रोफेसर मनजोत सिंह ने इस तरह के भ्रमण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि व्यावहारिक अनुभव सैद्धांतिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच के अंतर को पाटते हैं। इस यात्रा ने न केवल छात्रों की शैक्षणिक समझ को बढ़ाया बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी की गहरी भावना भी पैदा की। यात्रा के दौरान एकत्र किए गए उनके अवलोकन और डेटा चल रही शैक्षणिक परियोजनाओं और अनुसंधान पहलों में योगदान देंगे। संकाय सदस्यों डॉ. खुशबू शर्मा, डॉ. अब्दुल गनी, डॉ. ऋचा भारती और डॉ. आकृति गुप्ता ने समग्र शिक्षा और पर्यावरण प्रबंधन के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए सफल भ्रमण के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस ने दिवंगत डीएसपी अमन कुमार ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर, 24 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दिवंगत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमन कुमार ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने 2019 में आज ही के दिन कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

डीएसपी ठाकुर ने 24 फरवरी, 2019 को दक्षिण कश्मीर के तुरीगाम कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

इस अवसर पर जिला पुलिस लाइंस बांदीपोरा में स्मृति परेड का आयोजन किया गया और राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बांदीपोरा हरमीत सिंह मेहता ने बांदीपोरा पुलिस के अन्य अधिकारियों के साथ शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पुलिस के एक बयान में कहा गया कि बांदीपोरा पुलिस की ओर से एसएसपी बांदीपोरा ने अपने पेशेवर दायित्वों के प्रति डीएसपी ठाकुर की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की और उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स के माध्यम से कहा कि आज हम डीएसपी अमन ठाकुर द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करते हैं और उन्हें याद करते हैं। उन्होंने कहा कि एक बहादुर दिल जिसने कर्तव्य की पंक्ति में अपना जीवन दिया, उनकी अटूट प्रतिबद्धता, निस्वार्थता और बहादुरी को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।

जसरोटिया ने पंचायत जखोल में 97 लाख रुपये की लागत वाली 4 किमी सड़क का किया उद्घाटन

कठुआ 24 फरवरी (हि.स.)। अच्छी सड़कें वास्तव में विकास और समृद्धि की जीवन रेखा हैं क्योंकि अच्छी सड़कें लोगों, वस्तुओं और सेवाओं को जोड़ने, आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाने और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह बात जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने 97 लाख रुपये की लागत से पंचायत जखोल की पलाल से करनारी होते हुए बगोरा तक चार किलोमीटर सड़क के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। जसरोटिया ने कहा कि जसरोटा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक के रूप में, मैं निवासियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा प्रदान करने के लिए सड़कों सहित क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार की दिशा में काम कर रहा हूं। उन्होंने सभा को सुरक्षित पेयजल, बेहतर सीवरेज, गलियों और नालियों सहित बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान करने का आश्वासन दिया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। उन्होंने उपस्थित लोगों से क्षेत्र में विभिन्न विकास पहलों में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। जसरोटिया ने कहा कि अच्छी सड़कें यात्रा के समय, ईंधन की खपत और वाहन रखरखाव की लागत को कम करती हैं, परिवहन को अधिक कुशल और लागत प्रभावी बनाती हैं और दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करती हैं, सड़क सुरक्षा में सुधार करती हैं और जीवन बचाती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने वास्तव में ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च श्रेणी की सड़क बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सरकार ने ग्रामीण बस्तियों को सड़कों से जोड़ने में उल्लेखनीय प्रगति की है। जसरोटिया ने कहा, इसके अलावा, पीएमजीएसवाई ने ग्रामीण निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन और शैक्षिक अवसरों तक पहुंचने में सक्षम बनाया है, जिससे अंततः उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष बलवंत सिंह, सरपंच शिवदेव सिंह, रंदीप सिंह पप्पी, विनोद कुमार, लम्बाड विजय सिंह, जलील अहमद, विमला देवी शामिल थे।

संपादकीय

जम्मू के अस्पतालों में सीटी स्कैन सुविधा चौपट

जम्मू-कश्मीर के लोग कोविड-19 महामारी के बाद प्रशासन द्वारा की जा रही आत्म-प्रशंसा को सुन रहे होंगे, जिसमें दावा किया गया है कि जहां तक स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे का सवाल है, इस क्षेत्र में अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। यूटी की बागडोर संभालने के तुरंत बाद, एनसी के नेतृत्व वाली सरकार के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी यही रास्ता अपनाया है और खुद की पीठ थपथपाते हुए दावा किया है कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र उनकी सरकार की प्राथमिकता है और न केवल शहरी केंद्रों बल्कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी केंद्र शासित प्रदेश के बड़े शहरों से दूर रहने वाली आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए वांछित सुविधाएं मिलेंगी।

जहां तक प्रिंट मीडिया में ऐसी रिपोर्ट पढ़ने और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर देखने और सुनने का सवाल है, तो चीजें दिखावटी और सही लगती हैं, लेकिन जब जमीनी हकीकत देखी जाती है, तो स्थिति निराशाजनक लगती है क्योंकि सामने आने वाली रिपोर्टें गंभीर तस्वीर पेश कर रही हैं क्योंकि कथित तौर पर सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी), जम्मू और इसके संबद्ध अस्पतालों, जिनमें एसएमजीएस अस्पताल, चेस्ट डिजीज अस्पताल और सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (एसएसएच) शामिल हैं, की आपातकालीन इकाई में स्थापित सीटी स्कैन मशीनें पुरानी, अप्रचलित और मरम्मत से परे हो गई हैं।

जब जमीनी हकीकत इतनी निराशाजनक है कि केंद्र शासित प्रदेश के प्रमुख शहरी केंद्रों में से एक आवश्यक बायोमेडिकल उपकरणों की कमी का सामना कर रहा है, तो जम्मू और श्रीनगर जैसे बड़े शहरों से दूर स्थानों की स्थिति का अंदाजा अच्छी तरह लगाया जा सकता है।

इसलिए यह उचित है कि आत्म-प्रशंसा के नियमित दौर में जाने से पहले, केंद्र शासित प्रदेश के कर्णधारों और जम्मू-कश्मीर में सरकार चलाने में हिस्सेदारी रखने वाले केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहले लोगों की पर्याप्त चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे से लैस किया जाना चाहिए क्योंकि चीजों की वर्तमान स्थिति ने अच्छी तरह से उजागर कर दिया है कि केंद्र शासित प्रदेश अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राप्त करने से कितना दूर है। कोई भी समझ सकता है कि जम्मू-कश्मीर के लोग, जिनके पास अपने मरीजों को केंद्र शासित प्रदेश से बाहर ले जाने के लिए संसाधन हैं, कभी भी निर्णय लेने और पड़ोसी राज्यों और दिल्ली के अस्पतालों का दौरा करने में एक पल भी बर्बाद नहीं करते हैं क्योंकि पुरानी चीजों पर भरोसा करना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

प्रयागराज महाकुंभ में आस्था, संस्कृति और परंपरा का संगम

अनुजा भोरे

सौरमंडल को ब्रह्माण्ड कहा जाता है। जिस प्रकार एक ब्रह्माण्ड में ग्रह और तारे सूर्य के चारों ओर घूमते हैं, उसी प्रकार अनेक ब्रह्माण्ड भी ईश्वर के चारों ओर घूमते हैं। इसमें भारत का स्थान उस शाश्वत एवं अनंत शक्ति के समक्ष आता है। हमारे देश का नाम बहुत अर्थपूर्ण है, क्योंकि 'भा' का अर्थ है तेज और 'रत' का अर्थ है लीन होना। यदि इन शब्दों कि संधि कि जाए तो भा+रत यानी तेज में लीन होनेवाला अर्थ निकलता है। वहीं प्रचीन साहित्य में ऐसा जिक्र है कि, कण्व ऋषि की पुत्री शकुंतला और राजा दुष्यंत के पुत्र भरत के नाम पर हमारे देश का नाम भारत रखा गया है। देश के नाम की उत्पत्ति चाहे जो भी हो, प्रायः यह महसूस किया जाता है कि हमारा भारत हजारों वर्षों से धर्म और अध्यात्म का मूल आधार रहा है। महाकुंभ की शुरुआत से ही कई पौराणिक कथाएं, धार्मिक और आध्यात्मिक संदर्भ पढ़ने में आए हैं। नतीजतन प्रयागराज महाकुम्भ में जाने के लिए तीव्र इच्छा पैदा हो गई। सॉफ्टवेयर क्षेत्र में काम करते हुए मुझे देश-विदेश में विभिन्न स्थानों की यात्रा करने का अवसर मिला। मुझे यात्रा करना

पसंद है, क्योंकि मुझे प्रकृति और पर्यटन से प्यार है। बच्चों की पढ़ाई और पारिवारिक जिम्मेदारियां हमें लगातार पीछे धकेलती रहती हैं और हमें इसका एहसास भी नहीं होता। लेकिन, प्रयाग जाने की लालसा मुझे शांत बैठने नहीं देती थी। इसलिए, अंततः अपने परिवार से बात करने के बाद मैंने प्रयागराज जाने का फैसला किया। चूंकि बच्चे अभी स्कूल में थे, इसलिए परिवार के सभी बड़ों ने प्रयाग जाने की अपनी योजना बना ली। इसके साथ ही उन्होंने काशी और अयोध्या जाने की भी योजना बनाई। इसके लिए वाहन से सड़क मार्ग से जाने का निर्णय लिया गया। चूंकि मेरे लिए इतने लंबे समय तक घर से दूर रहना संभव नहीं था। इसलिए मैंने निर्णय लिया कि परिवार वाहन से जाएगा और मैं प्रयागराज में उनके साथ हो जाऊंगी। बाकी परिवार अयोध्या और काशी का भ्रमण करने के बाद नौ फरवरी को प्रयागराज के लिए रवाना हुआ। उसी दिन मैं पुणे से फ्लाइट से प्रयागराज पहुंची । प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देख मेरे पति ने मुझे हवाई अड्डे से होटल तक ले जाने के लिए एक बाइक सवार को बुक किया। लेकिन, भारी भीड़ के चलते उन्होंने आने से इनकार कर दिया। प्रयागराज में श्रद्धालुओं का जनसागर देख मन में विचार आया कि अब इस जनसागर को पार कर होटल कैसे पहुंचूंगी? लेकिन, यहीं पर मुझे दैवीय शक्ति का पहला अनुभव हुआ। बहुभाषी समाचार एजेंसी हिन्दुस्तान समाचार के चेयरमैन अरविंद मार्डीकर मेरे साथ विमान में यात्रा कर रहे थे। मेरी परेशानी को देखते हुए उन्होंने मुझे होटल तक पहुंचाने का वादा किया। भीड़ को देख कर ऐसा लगने लगा था कि इस विशाल भीड़ से बाहर निकलने का रास्ता कैसे खोजा जाए..? तभी एक परायी जगह पर मार्डीकर जी से सहायता प्राप्त हुई। मार्डीकर जी ने अपनी कार से जहां तक ??संभव हुआ, मुझे पहुंचाया। इसके बाद उन्होंने अपने एक वरिष्ठ सहकर्मी को मुझे होटल तक सुरक्षित पहुंचाने का निर्देश दिया और वे रवाना हो गए। इसके बाद मार्डीकर जी के सहकर्मी ने मुझे सुरक्षित मेरे होटल तक पहुंचाया। इस कलियुग मे जहां इन्सान व्यापारी और दुनिया बनी हुई है वहां, बुजुर्गों के आशिर्वाद से मार्डीकर जी जैसे लोग सहायता करने पहुंच जाते हैं। इस मदद के चलते मैं और परिवार के सभी लोग एक ही समय पर होटल पहुंचे और कुछ देर आराम करने के बाद हम ब्रह्म मुहूर्त में स्नान के लिए चले गए। हर जगह लोग ही लोग थे। मानो वहां जनसैलाब उमड़ा हो। इस भीड़ में बूढ़े, छोटे बच्चे और विकलांग सभी ऐसे चल रहे थे जैसे उनमें कोई अज्ञात शक्ति समाहित हो। उस जादुई माहौल ने एक अलग ही एहसास दिया। थोड़ी ही देर में हम घाट पर पहुंच गए, पवित्र स्नान किया, गंगा जल भरा, तट पर पूजा और आरती की और आनंद का अनुभव किया। इतनी भीड़ में भी आपको कभी भी गंदगी या परेशानी महसूस नहीं होती क्योंकि वहां आने वाला हर व्यक्ति आस्था की गहराइयों में डूबा होता है और आप भी उस ऊर्जा को महसूस कर सकते हैं। महाकुम्भ एक अद्भुत अनुभव है जिसे शब्दों में बयां करना वाकई मुश्किल है। आपको वहां जाना होगा और इसका अनुभव करना होगा। अगले दिन हमने वहां के अखाड़ों और मंदिरों का भ्रमण किया और महाकुम्भ को अपनी आंखों और मन में संजोए हमने अपनी वापसी यात्रा शुरू की। मैं और मेरी सासू मां हवाई जहाज से पुणे पहुंचे। वहीं पति और परिवार के अन्य सदस्य चित्रकूट और नेवासा होते हुए सड़क मार्ग से पुणे पहुंचे। कुम्भ मेला व्यक्तिगत आस्था का विषय है, लेकिन यदि आप फिर भी जाने की सोच रहे हैं तो आपको अवश्य जाना चाहिए। महाकुम्भ की भीड़ और गंगा के जल में डुबकी लगा कर व्यक्ति कितना पवित्र होता है या नहीं इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन, महाकुम्भ में अमीर-गरीब, जाति-पंथ, धर्म-संप्रदाय, पुरुष-महिला यह सारे भेद दूर होकर सभी आस्था, संस्कृति और परंपरा का संगम मे एकाकार होते हैं।

(लेखिका, पुणे में रहती हैं। आईटी एक्सपर्ट हैं।)

निवेश के सूत्र समझते हैं डॉ. मोहन यादव

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

निवेश का महत्व अर्थ की महत्ता के साथ सदियों से रहता आया है, किंतु यह निवेश तभी संभव है जब परस्पर के संवाद में गहराई हो, आत्मीयता के साथ ही आर्थिक लाभ का पक्ष भी दोनों ओर से बराबर जुड़ा हो। यह सूत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अच्छे से समझते हैं। एक व्यापारी, उद्योजक और निवेशक अपनी पूंजी के प्रवाह को किसी स्थान पर लगा देने के पूर्व वह यह आश्वस्ती अवश्य चाहता है कि जहां वह अपना अर्थ व्यय कर रहा है या भविष्य की दृष्टि से अपने रुपयों का निवेश कर रहा है, वह हर हाल में न केवल सुरक्षित हो, बल्कि सर्व सुविधा सम्पन्न भी हो, ताकि आगे किसी भी प्रकार की कोई बड़ी परेशानी का सामना न करना पड़े।

वैसे संवाद से निरुक्त के आचार्य यास्क भी याद आते हैं। वास्वत में ऋषि यास्क निरुक्त के वे लेखक हैं, जो शब्द व्युत्पत्ति, शब्द वर्गीकरण एवं शब्दार्थ विज्ञान पर एक तकनीकी प्रबन्ध प्रस्तुत करते हैं।

जिसमें कि उनके द्वारा सबसे अधिक परस्पर के संवाद पर जोर दिया गया है। मध्य प्रदेश में भी इन दिनों एक संवाद होता देखा जा रहा है। यह संवाद राज्य में रहनेवाले प्रत्येक नागरिक के लिए पर्याप्त रोजगार हो और वह सुख से अपना जीवन निर्वाह करे, इसके लिए किया जा रहा है। जिसके कि वाहक बने हैं, राज्य के प्रमुख होने के नाते डॉ. मोहन यादव । एक मुख्यमंत्री के तौर पर नितरोज नवाचार करना एवं आर्थिक समृद्धि के लिए प्रयास करते हुए उन्हें देखा जा रहा है। इस दिशा में मध्यप्रदेश के भोपाल में हो रही इन्वेस्ट मध्यप्रदेश - ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 ने निवेशकों, व्यवसायियों और उद्योगों के लिए अनंत संभावनाओं की एक दिशा तय कर दी है। इस आयोजन की सफलता इससे भी समझी जा सकती है कि देश के किसी प्रधानमंत्री ने इसके महत्व को समझते हुए यहीं रात्रि विश्राम करने के लिए अपना कार्यक्रम बनाया ताकि अधिकतम लोगों से मिलकर मध्य प्रदेश की समृद्धि से देश के विकास के लिए जरूरी विमर्श किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले कौन प्रधानमंत्री भोपाल में रुका है, यह याद नहीं आता, बहुत पहले इतिहास में किसी ने स्वाधीनता के पश्चात यहां अपनी रात व्यतीत की होंगी। निश्चित ही यह मोहन सरकार की सफलता ही है कि मप्र के विकास की अपार संभावनाओं में वे हर अवसर का भरपूर उपयोग कर लेना चाहते हैं। वस्तुत- इस आयोजन के पूर्व समय पर दृष्टि डालें तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के लिए इतने अधिक संकल्पित दिखाई दे रहे हैं कि देश के महानगरों में उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्शन, प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और जर्मनी-यूके में निवेश की अपार सफलता के बाद वे विदेशी उद्योजक से संवाद करने के लिए जापान जा पहुंचे थे। वहां उन्होंने जापान के टोक्यो, ओसाका और कोबे जैसे प्रमुख शहरों में स्थानीय उद्योगपतियों से म.प्र. में निवेश के संबंध में संवाद करने के साथ ही उनसे यह भी वादा ले लिया था कि आगामी माह में होने जा रही 24 और 25 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट वे मप्र आ रहे हैं और यहां अपने उद्योग स्थापित करने के लिए बड़ा निवेश भी करेंगे। जहां जिस भी देश में मुख्यमंत्री गए और वहां के उद्योगपतियों से संवाद किया, वहां कृषि, डेयरी एवं फूड प्रोसेसिंग, फिनटेक, आईटी-आईटीईएस और रोबोटिक्स, फार्मास्युटिकल्स, मेडिकल डिवाइस, इलेक्ट्रिक वाहन, ऑटोमोबाइल, शहरी एवं औद्योगिक बुनियादी ढांचे, एयरोस्पेस और रक्षा, सहित पर्यटन जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित बातचीत इतनी सफल रही है कि यूके, जर्मनी, जापान समेत अनेक देशों से मध्य प्रदेश आनेवाले उद्योगपतियों की एक बड़ी संख्या है जो यहां आकर अब निवेश के लिए अपने क्षेत्र का निर्धारण करते हुए उद्योग स्थापित करेंगे।

आज जापान, मध्यप्रदेश का प्रमुख व्यापार और निवेश साझेदार है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत-जापान व्यापार सूएसडी 22.85 बिलियन तक पहुंचा, जिसमें मध्यप्रदेश ने एल्यूमिनियम, केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, और वस्त्र जैसे उत्पादों का निर्यात किया। राज्य में ब्रिजस्टोन, पैनासोनिक, सनोह, एनएचके, और कोमात्सू जैसी प्रमुख जापानी कंपनियां सफलतापूर्वक काम कर रही हैं।जापान इन्वेस्ट मध्यप्रदेश - ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में पार्टनर कंट्री के रूप में भाग ले रहा है। इसी तरह से जर्मनी पार्टनर कंट्री केरूप में शामिल हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जर्मनी के म्यूनिख दौरे के दौरान सीआईआई और जर्मन इंडियन इनोवेशन कॉरिडोर - सेंट्रल इंडिया के समन्वय से जर्मन निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया था। समिट में 60 देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी, जिसमें डिपार्टमेंटल समिट, पार्टनर कंट्री सेशन, प्री-बिड सत्र, थीम आधारित सेशन और उद्योगपति एवं निवेशकों के साथ बैठकें शामिल हैं।इसमें भी मोहन सरकार ने एक नवाचार यहां यह किया है कि उसने देश भर के अधिक से अधिक आंत्रप्रेन्योर से सीधा संवाद किया है और अपने इस भव्य, दिव्य आयोजन में 10,000 से ज्यादा आंत्रप्रेन्योर और लीडर्स को एक साथ आमंत्रित किया।

ताकि वे अपने लिए मध्य प्रदेश में संवाभनाएं तलाश सके। वैसे डॉ. मोहन यादव आर्थिक विकास के लिए एक बड़ा कार्य इंडस्ट्रियल सेक्टर पीथमपुर, इंदौर, देवास, उज्जैन और धार को मिलाकर एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का है, जोकि उनकी एक बड़ी परियोजना है। यह एरिया इतना व्यापक है कि इसमें मोहन सरकार करीब 10000 किलोमीटर में नई इंडस्ट्रीज लगाने जा रही है। अर्थात् रोजगार के इतने अवसर वह राज्य में पैदा कर देना चाहती है कि न सिर्फ मध्य प्रदेश के बल्कि दूसरे कई राज्यों को मप्र भविष्य में पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने वाले राज्य में रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल रहे।

कहना होगा कि मप्र में जो यह ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट हो रही है, इसके माध्यम से दुनिया भर के निवेशक मध्य प्रदेश की क्षमता को देख और समझ रहे हैं। इससे राज्य में विकास को तो हर क्षेत्र में गति मिलेगी ही साथ ही पर्याप्त लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलने जा रहे हैं। आज मुख्यमंत्री जिस तरह से सीधे सभी से संवाद कर रहे हैं, उसे देखकर यह अवश्य लगने लगा है कि मध्य प्रदेश आनेवाले समय में इतनी अधिक गति पकड़ेगा कि देश का कोई अन्य राज्य उसकी गति को शायद ही पकड़ पाए। ऐसे में मध्य प्रदेश बहुत तेजी से विकसित राज्य की श्रेणी में अपने को लाने में अवश्य सफल होता दिखाई देता है। निश्चित ही इसके पीछे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के किए जा रहे अपार संवाद की बड़ी भूमिका स्पष्ट नजर आती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

जिसमें कि उनके द्वारा सबसे अधिक परस्पर के संवाद पर जोर दिया गया है। मध्य प्रदेश में भी इन दिनों एक संवाद होता देखा जा रहा है। यह संवाद राज्य में रहनेवाले प्रत्येक नागरिक के लिए पर्याप्त रोजगार हो और वह सुख से अपना जीवन निर्वाह करे, इसके लिए किया जा रहा है। जिसके कि वाहक बने हैं, राज्य के प्रमुख होने के नाते डॉ. मोहन यादव । एक मुख्यमंत्री के तौर पर नितरोज नवाचार करना एवं आर्थिक समृद्धि के लिए प्रयास करते हुए उन्हें देखा जा रहा है। इस दिशा में मध्यप्रदेश के भोपाल में हो रही इन्वेस्ट मध्यप्रदेश - ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 ने निवेशकों, व्यवसायियों और उद्योगों के लिए अनंत संभावनाओं की एक दिशा तय कर दी है। इस आयोजन की सफलता इससे भी समझी जा सकती है कि देश के किसी प्रधानमंत्री ने इसके महत्व को समझते हुए यहीं रात्रि विश्राम करने के लिए अपना कार्यक्रम बनाया ताकि अधिकतम लोगों से मिलकर मध्य प्रदेश की समृद्धि से देश के विकास के लिए जरूरी विमर्श किया जा सके।

तमिलनाडु में हिन्दी विरोध के मायने

डॉ. आरबी चौधरी

तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित पोलाची में तमिल समर्थकों ने 23 फरवरी को रेलवे स्टेशन के बोर्ड पर हिन्दी में लिखे नाम पर कालिख पोतकर भाषा विवाद को और गरमा दिया। रेलवे सुरक्षा बल ने इन लोगों की पहचान कर मामला दर्ज किया है।

सच पूछिए तो यह घटना एक बड़े विवाद का हिस्सा है, जिसमें तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने केंद्र सरकार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के माध्यम से हिन्दी थोपने का आरोप लगाया है। द्रमुक इस आरोप से इनकार करते हुए भाजपा के साथ वाक युद्ध में लगी हुई है।

तमिलनाडु में हिन्दी विरोध की जड़ें 20वीं सदी की शुरुआत से हैं। विरोध प्रदर्शन तमिल संस्कृति और भाषा की रक्षा की इच्छा से प्रेरित है। अधिकांश तमिल आज भी हिन्दी को अपनी पहचान के लिए खतरा मानते हैं।इतिहास के पन्ने को पलटने पर ज्ञात होता है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1937 में स्कूलों में अनिवार्य हिन्दी शिक्षण की शुरुआत की। तमिलनाडु में इसका व्यापक विरोध हआ।

विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व पेरियार ई.वी. रामासामी और जस्टिस पार्टी ने किया। 1937-1940 के आंदोलन के दौरान 1,198 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया और 1,179 को दोषी ठहराया गया। सबसे बड़ा हिन्दी विरोधी आंदोलन 1948-1950 के बीच हुआ। इस दौरानहड़तालें हुईं। वर्ष 1965 में मदुरै में हिन्दी विरोधी दंगे भड़क उठे जिसके परिणामस्वरूप लगभग 70 लोग मारे गए।आज भी तमिलनाडु में हिंदी विरोध विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। द्रमुक और अन्य दल गैर-हिन्दी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने का विरोध कर रहे हैं। जबकि भारत सरकार हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में बढ़ावा देने के प्रयास में लगी हुई है। वर्तमान विरोध ने यह स्वीकार करना आरंभ कर दिया है कि हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी भी आधिकारिक भाषा बनी रहे। वर्तमान विरोध सिर्फ राजनीतिक क्रियाकलाप है।

वैसे, तमिलनाडु में हिन्दी विरोध की वास्तविकता जटिल है। इसमें राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों कारक शामिल हैं। कुछ लोग तर्क देते हैं कि वर्तमान विरोध तमिल संस्कृति और भाषा की रक्षा करने की वास्तविक इच्छा से प्रेरित है। बुद्धिजीवी और आम आदमी इसे राजनीतिक दलों द्वारा लाभ प्राप्त करने के साधन के रूप में देखता है।सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 18-25 आयु वर्ग के 71 प्रतिशत लोगो ने बिना समझे-बूझे हिन्दी थोपने का विरोध किया। यूगऊ के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 18-24 वर्ष की आयु के तमिलनाडु के 63 प्रतिशत निवासियों का मानना था कि स्कूलों में हिन्दी को जरूर पढ़ाया जाए लेकिन इसे अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए। कुछ लोग तर्क देते हैं कि हिन्दी जानने से नौकरी के अवसर बढ़ सकते हैं और व्यापार और व्यापार संबंधों को सुविधाजनक बनाया जा सकता है।

तमिलनाडु में भी मनोरंजन की दुनिया का लुफ्त उठाने के लिए हिन्दी भाषा को व्यावसायिक भाषा माना जाता है। लेकिन राजनीतिक के संवर्ग के लोग इसे तमिल संस्कृति और भाषा के लिए खतरा मानते हैं।नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की 60 फीसदी आबादी हिन्दी बोलती है। भाषा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान परिदृश्य में तमिलनाडु की 40 फीसद आबादी को हिन्दी का कुछ ज्ञान है और धीरे-धीरे लोग हिन्दी को सीख रहे हैं। तमिलनाडु के स्कूलों में हिन्दी पढ़ने की गति तेज हुई है। लोग प्रदेश से बाहर जाकर अपने व्यवसाय को बढ़ाना चाहते हैं और देशभर में सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा हिन्दी का लाभ उठाना चाहते हैं।

इस कार्य में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा का बहुमूल्य योगदान है। सन् 1964 में सभा को संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया था।देखा जाए तो डुओलिंगो, इटालकी और प्रीप्ली जैसे कई ऐप और ऑनलाइन प्लेटफार्म हिन्दी भाषा के पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं और तमिलनाडु सहित भारत के तमाम हिस्सों में इन्हें काफी डाउनलोड और उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त, लिंग और ड्रॉप्स जैसे कुछ ऐप हिन्दी सीखने के लिए इंटरैक्टिव और गेमीफाइड पाठ प्रदान करते हैं, जो तमिलनाडु की युवा आबादी को आकर्षित कर सकते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, दक्षिण भारत में लगभग 30 फीसद लोग हिन्दी गाने सुनते हैं। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि तमिलनाडु में लगभग 70 फीसद छात्र हिन्दी की अज्ञानता के कारण केंद्रीय नौकरी में नहीं जा पाते हैं। इन बातों को स्वीकार करते हुए तमिलनाडु सरकार ने 1968 में हिन्दी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया था। अंततः, तमिलनाडु पर हिन्दी थोपने या न थोपने का निर्णय एक जटिल मुद्दा है। इसमें कई कारक शामिल हैं। एक बात बहुत स्पष्ट है कि तमिलनाडु के लोग विशेष रूप से युवा पीढ़ी भाषा की राजनीति में रुचि नहीं रखती। वह हिन्दी सीखने के लिए उत्सुक हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

युगांडा ने फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम घोषित की

एजेंसी

कंपाला। युगांडा टीन क्रेन्स के मुख्य कोच शेरिल बोट्स ने आगामी फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2025 क्वालीफायर के लिए टीम की घोषणा कर दी है। युगांडा की टीम 8 मार्च को क्वालीफायर के दूसरे दौर में केन्या की मेजबानी करेगी, जबकि रिटर्न लेग आठ दिन बाद नैरोबी में खेला जाएगा।युगांडा ने पहले दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए नामीबिया को 18-1 के बड़े अंतर से हराया था। यदि टीन क्रेन्स अगले चरण में आगे बढ़ती है, तो तीसरे दौर में उसका मुकाबला कैमरून और इथियोपिया के बीच विजेता से होगा। इस चरण की विजेता टीमों में से चार को फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि मोरक्को, जो इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, पहले ही स्वचालित रूप से विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है। यह प्रतियोगिता 17 अक्टूबर से 8 नवंबर, 2025 तक आयोजित होगी।

दलिबोर सवरचिना ने जीता महा ओपन एटीपी चैलेंजर 100 का खिताब

पुणे। चेक गणराज्य के 22 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी दलिबोर सवरचिना ने पीएमआरडीए महा ओपन एटीपी चैलेंजर 100 पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला महालुंगे बालेवाड़ी टेनिस स्टेडियम में खेला गया। फाइनल में दलिबोर सवरचिना ने अमेरिका के छठी वरीयता प्राप्त ब्रैंडन होल्ट को 7-6 (3), 6-1 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की। 1 घंटे 29 मिनट तक चले इस मुकाबले में पहला सेट रोमांचक रहा, लेकिन दूसरे सेट में सवरचिना ने अपनी सटीकता और आक्रामक खेल से मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बना लिया। सवरचिना की यह जीत भारत में उनके शानदार प्रदर्शन का हिस्सा रही। इससे पहले उन्होंने चेन्नई चैलेंजर के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था और दिल्ली में दूसरे दौर में पहुंचे थे। पुरस्कार राशि और एटीपी अंकन्विजेता- दलिबोर सवरचिना को 100 ATP रैंकिंग अंक और स्ष्ठ 22,730 (लगभग ?19.90 लाख) की पुरस्कार राशि मिली।उपविजेता- ब्रैंडन होल्ट को 60 ATP अंक और SD 13,350 (लगभग 11.70 लाख) मिले। इस अवसर पर पीएमआरडीए के अधिकारी राहुल महिवाल (आईएएस), एमएसएलटीए के मानद सचिव सुंदर अय्यर, एटीपी सुपरवाइज़र आंद्रेई कोर्निलोव (उज्बेकिस्तान), औरएमएसएलटीए के संयुक्त सचिव राजीव देसाई व शीतल भोंसले ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

एसडीएच भद्रवाह ने प्रमोशनल क्रिकेट मैच में एसडीएच गंडोह को हराया

गंडोह। नशा मुक्त भारत अभियान और नशा विरोधी अभियान के तहत रविवार को उप जिला अस्पताल गंडोह और उप जिला अस्पताल भद्रवाह के बीच स्पोर्ट्स ग्राउंड किल्होत्रान में मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में एसडीएच भद्रवाह 26 रन से विजयी हुआ। टॉस जीतकर एसडीएच भद्रवाह ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 171 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। डॉ. यासिर रियाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 गेंदों पर 77 रन बनाए जबकि डॉ. तौसीफ मलिक ने 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। एसडीएच गंडोह की ओर से डॉ. फारूक सलीम, आरिफ राथर, जहांगीर मेहता और आरिफ बट्ट ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में एसडीएच गंडोह ने कड़ी टक्कर दी लेकिन 20 ओवर में 5 विकेट पर 145 रन ही बना सकी। डॉ. फारूक सलीम ने सर्वाधिक 42 रन बनाए जबकि आरिफ राथर ने 21 रन का योगदान दिया। एसडीएच भद्रवाह के लिए गेंदबाज डॉ. मोहम्मद अशरफ, कलवंत सिंह, अंजार शाह और डॉ. तौसीफ मलिक ने एक-एक विकेट लिया जिससे विपक्षी टीम के रन चेज पर प्रभावी रूप से अंकुश लगा। डॉ. यासिर रियाज को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया जिन्होंने एसडीएच भद्रवाह की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पाकिस्तान पर जीत मधुर, रोहित और शमी की फिटनेस पर भी श्रेयस अय्यर ने दिया अपडेट

दुबई । भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर 6 विकेट से मिली जीत को 'मधुर' बताया क्योंकि यह एक प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ मिली और इसे लेकर काफी 'बाहरी दबाव' था। भारत ने इस जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह भी पक्की कर ली। श्रेयस ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 67 गेंद में 56 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रेयस ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैने पाकिस्तान में उतने मैच नहीं खेले तो मुझे नहीं पता कि कैसा लगता। लेकिन यह तटस्थ स्थान है और दोनों टीमों के लिये चुनौतीपूर्ण था। पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी जीत मधुर होती है क्योंकि मैच हमेशा प्रतिस्पर्धी होते हैं। यह बड़ी चुनौती है क्योंकि काफी बाहरी दबाव भी होता है। यह पाकिस्तान के खिलाफ मेरा तीसरा मैच था।'

क्रिकेट में शतक का अपना रोमांच होता है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और क्रिकेट में शतक का अपना रोमांच होता है। इसके साथ उन्होंने राष्ट्रीय खेलों उल्लेख करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' के मासिक कार्यक्रम में चैंपियंस ट्रॉफी और क्रिकेट में बनाये जाने वाले शतक के रोमांच का जिक्र किया और उत्तराखंड में हाल ही में हुयु राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर खेल शक्ति के रुप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन के मोटापे को लेकर दिये टिप्प का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर तरफ क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में शतक का रोमांच क्या होता है, ये तो

हम सब भली-भाँति जानते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी की भी मैं सराहना करता हूँ। हमारे बहुत से खिलाड़ी 'खेलो-इंडिया' अभियान की देन हैं। हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल, महाराष्ट्र के किरण मात्रे, तेजस शिरसे या आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी, सबने, देश को नई उम्मीदें दी हैं। उत्तर प्रदेश के भाला फेंक एथलीट सचिन यादव और हरियाणा की ऊंची कूद एथलीट पूजा और कर्नाटका की तैराक धिनिधि देसिन्धु ने देशवासियों का दिल जीता। इन्होंने तीन नए राष्ट्रीय रिकार्ड बनाकर सबको चौंका दिया। इस बार के राष्ट्रीय खेलों में किशोरों ने शानदार प्रदर्शन किया। 15 साल के निशानेबाज गेविन एंटनी, यूपी की हैमर थ्रो खिलाड़ी 16 साल की अनुष्का यादव, मध्य प्रदेश के 19 साल के पोलवाल्टर देव कुमार मीणा ने साबित किया कि भारत का खेल भविष्य बेहद प्रतिभावान पीढ़ी के हाथों में है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय ने ये भी दिखाया कि कभी हार ना मानने वाले 'जीतते' जरूर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज जी आपका बहुत-बहुत आभार। जानी-मानी एथलीट निखत जरीन जी ने भी इस विषय पर अपनी बात रखी है। निखत जरीन ने कहा, हॉय मेरा नाम निखत जरीन है और मैं दो बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन हूं। जैसे कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'मन की बात' में मोटापे को लेकर जिक्र किया है और मुझे लगता है कि यह एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है हमें अपनी स्वास्थ्य को लेकर गंभीर होना चाहिए क्योंकि मोटापा जितनी जल्दी से फैल रहा है हमारे इंडिया में, उसको हमें रोकना चाहिए।

डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड के मुख्य कोच बने रॉबिन वैन पर्सी

एजेंसी

द हेग। डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड ने अपने पूर्व खिलाड़ी रॉबिन वैन पर्सी को तत्काल प्रभाव से मुख्य कोच नियुक्त किया है। 42 वर्षीय वैन पर्सी, एससी हीरेनवीन से ब्रायन प्रिस्के की जगह लेंगे, जिन्हें 10 फरवरी को बर्खास्त कर दिया गया था। अंतरिम रूप से पास्कल बॉसचार्ट टीम का नेतृत्व कर रहे थे। नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर वैन पर्सी ने 2027 के मध्य तक फेयेनोर्ड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लब ने सहायक कोच के रूप में रेने हेक को भी शामिल किया है, जिन्होंने पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड में एरिक टेन हाग के सहायक के रूप में काम किया था।

फेयेनोर्ड के महाप्रबंधक डेनिस ते क्लोसे ने कहा, हमें खुशी है कि हम क्लब के एक सच्चे आइकन को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त कर रहे हैं। रॉबिन क्लब को अच्छी तरह से जानते हैं और सफलता के लिए आवश्यकताओं को समझते हैं।

खिलाड़ी से कोच तक का सफरः रॉटरडैम में जन्मे वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड की युवा अकादमी से आगे बढ़ते हुए 2001-02 सीज़न में पहली टीम में अपनी शुरुआत की और उसी वर्ष टीम को यूईएफए कप जिताने में मदद की।

2004 में वे आर्सेनल गए, जहां उन्होंने दुनिया के शीर्ष स्ट्राइकरों में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ प्रीमियर लीग जीती और तुर्की के फेनरबाश में अपने खेल करियर का समापन किया। 2019 में वे फेयेनोर्ड में लौटे और वहां सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड में कोचिंग करियर की शुरुआत की और विभिन्न युवा टीमों को प्रशिक्षित किया। 2024 की गर्मियों में, उन्होंने एससी हीरेनवीन में मुख्य कोच के रूप में अपनी पहली बड़ी जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, उनकी टीम का प्रदर्शन मिश्रित रहा, लेकिन उनकी आक्रामक खेल शैली ने ध्यान आकर्षित किया। फेयेनोर्ड के नए मुख्य कोच के रूप में वैन पर्सी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। क्लब वर्तमान में इरेडिविसी में अजाक्स और पीएसवी के पीछे तीसरे स्थान पर है। वहीं, मार्च में टीम का मुकाबला चैंपियंस लीग के 16वें दौर में इंटर मिलान से होगा।

विराट कोहली का ऐतिहासिक शतक, भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

दुबई। भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अहम मुकाबले में पाकिस्तान को आज 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और पाकिस्तान द्वारा दिए गए 242 रनों के लक्ष्य को 42.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ग्रुप ए में भारत पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि पाकिस्तान लगभग टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। मैन ऑफ़ द मैच रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 111 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा (20), शुभमन गिल (46) और श्रेयस अय्यर (56) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। कोहली और अय्यर के बीच 114 रनों की

साझेदारी ने जीत की नींव रखी।

इससे पहले, बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम को ठोस शुरुआत नहीं मिली। सऊद शकील (62) और मोहम्मद रिज़वान (46) ने तीसरे विकेट के लिए 104 रन जोड़े, लेकिन अन्य बल्लेबाज ज्यादा योगदान नहीं दे सके। बाबर आज़म (23), खुशदिल शाह (38) और सलमान आगा (19) ने संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार झटके देकर पाकिस्तान को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। वहीं, गेंदबाजी में भी भारतीय टीम ने दम दिखाया। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, हार्दिक पंड्या ने 2 विकेट, जबकि हर्षित राणा और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट लिए। अक्षर ने अपनी गेंदबाजी के अलावा 2 रन आउट भी किए। 2017 का बदला हुआ पूराइस जीत के साथ भारत ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पाकिस्तान से मिली हार का बदला ले लिया। साथ ही, यह टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की तीसरी जीत रही। पाकिस्तान ने भी अब तक भारत के खिलाफ 3 मुकाबले जीते हैं।

भारत से हार के बाद मोहम्मद रिजवान ने माना, टूर्नामेंट में पाकिस्तान का सफर समाप्त

एजेंसी

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। रविवार को भारत के खिलाफ छह विकेट से हार झेलने के बाद पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम का सफर लगभग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, फिलहाल, हम कह सकते हैं कि यह खत्म हो गया है। यह सच्चाई है। हालांकि, पाकिस्तान अभी आधिकारिक रूप से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच से पहले उसे अन्य मैचों में कुछ अनुकूल परिणामों की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से, उसे न्यूजीलैंड पर बांग्लादेश की अप्रत्याशित जीत की उम्मीद होगी। रिजवान ने कहा कि वह किसी और के प्रदर्शन पर निर्भर रहकर आगे बढ़ना पसंद नहीं करते। उन्होंने स्पष्ट किया, एक कप्तान के रूप में, मुझे यह पसंद नहीं है। अगर आप जीत सकते हैं, तो ऐसा करें। यदि आप नहीं कर सकते,

तो इसके बारे में चिंता न करें। अगर आप किसी और की छाया में बैठे हैं, तो मुझे इसकी परवाह नहीं है। भारत ने इस मुकाबले में तीन स्पिनरों के साथ मैदान संभाला, जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ एक विशेषज्ञ स्पिनर अबरार अहमद को मौका दिया। इस फैसले पर सफाई देते हुए रिजवान ने कहा, आप यह नहीं कह सकते कि हमने सिर्फ एक स्पिनर चुनकर गलती की। भारतीय टीम के पास कुलदीप यादव एक फ्रंटलाइन स्पिनर हैं, जबकि रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ऑलराउंडर हैं। हमारे पास भी सलमान अली आगा और खुशदिल शाह थे, जिन्होंने अतीत में अच्छी गेंदबाजी की है।

न्यूजीलैंड दबदबा कायम रखने और बंगलादेश वापसी के लिए उतरेगा

एजेंसी

रावलपिंडी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में होने वाले ग्रुप मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम जहां टूर्नामेंट में अपनी जीत की लय कायम करने उतरेगी वहीं बंगलादेश पिछले मैच में भारत से मिली करारी हार के बाद वापसी करने मैदान में उतरेगा।

न्यूजीलैंड ने मेजबान पाकिस्तानी धरती पर एकदिवसीय मुकाबलों में दबदबा बनाए रखते हुए लगातार चार जीत दर्ज की हैं और वह अगले मैच को लेकर उत्साहित है। अब देखना होगा कि टूर्नामेंट में भारत से मिली करारी के हार के बाद बंगलादेश वापसी कर पायेगा या न्यूजीलैंड अपना दबदबा कायम रखता है। बंगलादेश पिछले मैच के तौहीद हृदोय के जूझारू शतक को ध्यान में रखते हुए निराशाजनक प्रदर्शन से उबरकर एक बार फिर से अपने अभियान को शुरू करना चाहेगा। वहीं न्यूजीलैंड ने विल यंग

और टॉम लैथम की अगुआई में शानदार बल्लेबाजी की है। मैट हेनरी और विल ओ'रूर्के की अगुआई में उनकी गेंदबाजी इकाई ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वे बंगलादेश की कमजोर बल्लेबाजी का फायदा उठाने का प्रयास करेंगे। बंगलादेश के सलामी बल्लेबाजों फॉर्म में न होना उनके लिए परेशानी का सबब बना हुआ है भारत के खिलाफ दोनों बल्लेबाज पावरप्ले में ही आउट हो गए, जिससे मध्यक्रम की शुरुआत ही हो गई। न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ उन्हें एक और हार से बचने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले चार मैचों में 215 रन बनाए हैं और इस दौरान तीन बार नाबाद रहे हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण उन्हें खेल बदलने वाला खिलाड़ी बनाती है। वहीं गेंदबाजों की बात की जाये तो मैट हेनरी पिछले दो सालों में पाकिस्तान की पिचों पर 15 विकेट चटकाए हैं जोकि किसी भी अन्य विदेशी गेंदबाज से अधिक। न्यूजीलैंड को उनसे बहुत उम्मीद होगी। बल्लेबाजी की बात की जाये तो विल यंग ने बंगलादेश के खिलाफ आठ पारियों में 50 से अधिक की औसत से 360 रन बनाए हैं और उनकी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए बंगलादेश की चिंता बढ़ सकती है।

कोहली एकदिवसीय में 14 हजार रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

एजेंसी

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये है। विराट कोहली ने दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ

चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में यह रिकार्ड बनाया। उन्होंने मात्र 287 पारियों में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। कोहली ने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 350 पारियों में बनाये गये रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 378 पारियां अपने 14 हजार रन पूरे किये थे। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय इतिहास में 14 हजार रन का आंकड़ा पार करने वाले केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए। वह जून 2017 में 175 पारियों में आठ हजार एकदिवसीय रन पूरे करने के बाद से हर 1000 रन के मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज बल्लेबाज रहे हैं। वह जल्द ही कुमार संगकारा (14,234) को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच सकते हैं। इस सूची में सचिन तेंदुलकर 18,426 रनों के साथ शीर्ष पर हैं।

एफआईएच प्रो लीग : इंग्लैंड की चुनौती के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखना चाहेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

एजेंसी

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ जीत की लय बनाए रखने के इरादे से उतरेगी। यह मैच 24 और 25 फरवरी को खेले जाएंगे। भारतीय टीम टूर्नामेंट में छह मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

टूर्नामेंट में भारतीय टीम की शुरुआत मिली-जुली रही, जहां उसने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ एक-एक मैच जीता और हारा। हालांकि, इसके बाद टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए आयरलैंड को हराया। अब हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड की चुनौती होगी, जो अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड के लिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा, क्योंकि वह अपने पिछले मैचों में

संघर्ष करता नजर आया है। उसने स्पेन के खिलाफ शूटआउट में जीत दर्ज की, लेकिन दूसरे मुकाबले में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी सैम वॉर्ड, जिन्होंने अब तक नौ गोल किए हैं, टीम की उम्मीदों का केंद्र होंगे।

इंग्लैंड ने अब तक प्रतियोगिता में 20 गोल किए हैं और उनकी आक्रमण पंक्ति मजबूत दिख रही है, लेकिन भारतीय डिफेंस इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है। एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में अब तक भारत की रक्षा पंक्ति सबसे सशक्त रही है, जिसने केवल आठ गोल खाए हैं जो कि लीग में सबसे कम है। पिछले तीन मैचों में भारत ने केवल एक ही गोल खाया है, जो उसके रक्षात्मक मजबूती का प्रमाण है। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम के सामने तीसरे नंबर की इंग्लैंड टीम की चुनौती होगी। यह मुकाबला आक्रमण और रक्षण के बीच रोमांचक जंग साबित हो सकता है। भारतीय टीम अपनी जीत की लय को बरकरार रखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ दोनों मैचों में जीत हासिल करने का लक्ष्य रखेगी।

रोहित शर्मा 9000 रन का आंकड़ा पार करने वाले छठे ओपनर बने

दुबई । इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत भारत बनाम पाकिस्तान मैच के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बतौर ओपनर 9000 रन बनाने में सफल हो गए। रोहित अब इस यूनीक लिस्ट में छठे स्थान पर आ गए हैं। पहले नंबर पर सचिन तेंदुलकर है जबकि पांचवें पर सौरव गांगुली बने हुए हैं। मैच से पहले रोहित को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी। बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में रोहित ने वनडे क्रिकेट में 11000 रन पूरे किए थे और विराट कोहली के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए थे। बता दें कि रोहित के नाम सर्वोच्च वनडे व्यक्तिगत स्कोर (264) का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ 173 गेंदों में 264 रन की पारी खेली थी।

अंडर-17 अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस फुटबाल लीग जेडएफए की टीम ने मेथोडिस्ट को 3-0 से दी शिकस्त

एजेंसी

मुरादाबाद। मॉडर्न पब्लिक स्कूल मुरादाबाद के मैदान पर अस्मिता खेलो इंडिया व भारतीय खेल प्रधिकारण के प्रयोजन से उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के तत्वावधान में अंडर-17 अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस फुटबाल लीग 2024-25 तीसरे दिन भी जारी रही। आज जेडएफए की टीम और मेथोडिस्ट कालेज की टीम के बीच मैच हुआ। जिसमें डएफए की टीम ने 3-0 से टूर्नामेंट जीत लिया। जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि अंडर-17 अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस फुटबाल लीग में नियमानुसार 6 टीमें प्रीतिभाग कर रही है। आज जेडएफए और मेथोडिस्ट कालेज की टीम के बीच मैच हुआ। मैच के पहले माध्यन्तर के खेल में जेडएफए की सोना ने पहला गोल कर अपनी टीम के हौसले बुलंद कर दिए। लेकिन दाद देनी होगी

मेथोडिस्ट की खिलाडियों की जिन्होंने जेडएफए पर बराबर हमले किये जिसे जेडएफए की रक्षा पंक्ति ने विफल कर दिए। खेल के दूसरे माध्यन्तर मे जेडएफए की वर्षा ने जबरदस्त मूव बनाते हुये गोल में किक कर टीम कर स्कोर 2-0 कर दिया, उसके बाद मैच के अंतिम क्षणों मे वर्षा ने एक और गोल कर जीत का अंतर 3-0 कर अपनी टीम को अश्वस्त कर दिया। इस प्रकार जेडएफए ने ये मैच 3-0 से जीता। आज के निर्णायक मण्डल मे माधुरी देवी, राजकुमारी, मुहम्मद फरमान, औरंगजेब आलम, सरताज मुमताज रहे।

जिम्बाब्वे ने आयरलैंड को तीन विकेट से हराया

एजेंसी

हरारे। ट्रेवर ग्वांडू ने (तीन विकेट), सिकंदर रजा और रिचर्ड एन्गरावा (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद टोनी मुनयोंगा (नाबाद 43) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत जिम्बाब्वे ने दूसरे टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को चार गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया हैं। आयरलैंड के 137 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 14 के स्कोर परअ पने तीन विकेट गवां दिये। इसके बाद कप्तान सिकंदर रजा और रायन बर्ल ने पारी संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हैरी टेक्टर ने रायन बर्ल (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कप्तान सिकंदर रजा (22) पर आउट होकर पवेलियन लौट गये। ताशिंगा मुसेकीवा (15) और वेलिंग्टन मसाकाट्जा (छह) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि इस दौरान टोनी मुनयोंगा एक छोर थामे खड़े रहे। टोनी मुनयोंगा ने (नाबाद 43) और रिचर्ड एन्गरावा (नाबाद12) पारी खेलते हुए 19.2 ओवर में सात विकेट पर 141 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

आयरलैंड की ओर से क्रेग यंग

ने चार विकेट लिये। जॉश लिटिल, बेन व्हाइट और हैरी टेक्टर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी पॉल स्टर्लिंग (एक) का विकेट गवां दिया। इसके बाद लोर्कान टकर और हैरी टेक्टर की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 53 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में सिकंदर रजा ने हैरी टेक्टर (28) को आउट इस साझेदारी को तोड़ा। 14वें ओवर में ट्रेवर ग्वांडू ने लार्कान टकर (46) को आउट कर आयरलैंड को बड़ा झटका दिया। कर्टिस कैमफर (26) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 137 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से ट्रेवर ग्वांडू ने तीन विकेट लिये। सिकंदर रजा और रिचर्ड एन्गरावा ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। ब्लेसिंग मुजरबानी को एक विकेट मिला।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.54 अरब डॉलर गिरकर 635.7 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई । विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में भारी गिरावट से 14 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन सप्ताह बाद 2.54 अरब डॉलर लुढ़ककर 635.7 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरे सप्ताह चढ़ता हुआ 7.7 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 638.3 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 14 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.52 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 539.6 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.94 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 74.2 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.9 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 1.4 करोड़ डॉलर की तेजी के साथ 4.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रेलवे में एसी थ्री टियर की बंपर डिमांड! पांच साल में राजस्व में जबरदस्त उछाल, आंकड़े कर देंगे हैरान

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में यात्रा का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। एक समय स्लीपर क्लास राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देता था, लेकिन अब एसी 3 टियर ने इसकी जगह ले ली है। पिछले पांच वर्षों में इस श्रेणी से रेलवे को होने वाली कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया है। 2024-25 में, रेलवे के कुल अनुमानित 80,000 करोड़ रुपये के यात्री राजस्व में अकेले एसी थ्री टियर का योगदान 30,089 करोड़ रुपये (38त्न) रहने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ 26 करोड़ यात्री (कुल 727 करोड़ में से 3.5फीसदी) इस श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक कमाई करने वाली श्रेणी बन गई है। बजट 2025-26 के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में, भारतीय रेलवे का कुल यात्री राजस्व 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। जिसमें से अकेले एसी थ्री टियर से 30,089 करोड़ रुपये (38फीसदी) आ सकते हैं। दूसरी ओर, स्लीपर क्लास से महज 19.5त्न का राजस्व मिलने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि केवल 26 करोड़ यात्री (727 करोड़ यात्रियों में से 3.5त्न) इस श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक राजस्व दे रहा है यह प्रवृत्ति भारत में यात्रा के प्रति बढ़ती प्राथमिकता और आर्थिक सुधार को दर्शाती है। अधिक यात्री अब आरामदायक और बेहतर सुविधाओं वाली यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसके कारण एसी थ्री टियर से आने वाले राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है।

बढ़ते तापमान से 2030 तक 30फीसदी कृषि कर्ज डूबने का खतरा, जलवायु परिवर्तन से प्रति व्यक्ति आय में गिरावट

नई दिल्ली। बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के कारण अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कृषि एवं आवासीय कर्ज के 30 फीसदी हिस्से के डूबने का जोखिम है। बीसीजी की एक विश्लेषण रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि औसत वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में करीब 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इस कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ रही है और कृषि उत्पादन घट रहा है। इसके परिणामस्वरूप, बढ़ती चरम मौसम की घटनाओं से प्रभावित लोगों की प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आई है रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का लगभग आधा कर्ज, प्रकृति और उसके पारिस्थितिकी तंत्र पर काफी हद तक निर्भर है। इसलिए, कोई भी प्राकृतिक आपदा उनके मुनाफे को प्रभावित करती है। अनुमान के मुताबिक, 2030 तक भारत के 42 फीसदी जिलों में तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। अगले पांच साल में तापमान वृद्धि से 321 जिले प्रभावित हो सकते हैं, जिससे लोगों की कमाई पर असर पड़ सकता है। बीसीजी के प्रबंध निदेशक एवं भागीदार एशिया प्रशांत अभिनव बंसल ने कहा, भारत कोयले और कच्चे तेल से दूर होकर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत को यह बदलाव लाने/परिवर्तन करने के लिए सालाना 150-200 अरब डॉलर का निवेश करना होगा।

अदाणी समूह ने बीते वित्त वर्ष में चुकाया 58104 करोड़ का कर; पाक-बांग्लादेश में प्रत्यक्ष व्यापार बहाल

मुंबई। अदाणी समूह की कंपनियों ने वित्त वर्ष 2023-24 में 58,104 करोड़ रुपये का कर चुकाया है। समूह ने वित्त वर्ष 2022-23 में 46,610 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया था। अदाणी समूह ने बताया कि भुगतान किए गए करों में वैश्विक कर, शुल्क और अदाणी पोर्टफोलियो की कंपनियों की ओर से वहन किए गए अन्य शुल्क, अन्य हितधारकों की ओर से जुटाए व भुगतान किया गया अप्रत्यक्ष कर योगदान व शुल्क और कर्मचारियों के लाभ के लिए सामाजिक सुरक्षा योगदान शामिल हैं। दरअसल, अरबपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाले समूह ने वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024) के लिए अपनी कर पारदर्शिता रिपोर्ट जारी की है। समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस और अंबुजा सीमेंट्स की ओर से प्रकाशित स्वतंत्र रिपोर्टों में इसकी जानकारी दी गई है।

एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट में नया साइलो और रैपिड लोडिंग सिस्टम चालू

एजेंसी

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एसईसीएल) परियोजनाओं के माध्यम से अपनी खदानों से सुरक्षित और टिकाऊ कोयला निकासी बढ़ाने के प्रयासों में तेजी ला रही है। एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर में एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट ने शुक्रवार को अपने नवनिर्मित रैपिड लोडिंग सिस्टम और साइलो 3 और 4 से पहला कोयला रेक लोड करके सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया। यह पर्यावरण के अनुकूल और कुशल कोयला परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अनुसार नए चालू किए गए दीपका सीएचपी-साइलो एफएमसी प्रोजेक्ट की वार्षिक कोयला निकासी क्षमता 25 मिलियन टन है, जिससे मेगा प्रोजेक्ट की सम्प्रेषण दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नए साइलो के चालू होने से पहले दीपका 15 एमटीपीए की क्षमता वाले मेरी-गो-राउंड (एमजीआर) सम्प्रेषण प्रणाली पर निर्भर था। साइलो 3 और 4 के चालू होने के साथ दीपका की कुल कोयला प्रेषण क्षमता अब बढ़कर 40 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है, जो प्रभावी रूप से परिवहन बुनियादी ढांचे को उत्पादन स्तरों के साथ संरेखित करती है। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में एसईसीएल ने पीएम गतिशक्ति योजना के तहत एफएमसी इंफ्रा के विकास को प्राथमिकता दी है। एसईसीएल ने 233 एमटीपीए की संचयी क्षमता के साथ 17 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं शुरू की हैं। इनमें से, 151 एमटीपीए की कुल क्षमता वाली 9 परियोजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं, जो कोयला परिवहन को आधुनिक बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। 82 एमटीपीए क्षमता वाली शेष 8 एफएमसी परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं और उन्हें अगले 2-3 वर्षों में चालू करने का लक्ष्य है। एफएमसी को व्यापक रूप से एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल कोयला परिवहन मोड के रूप में मान्यता प्राप्त है। दीपका में एफएमसी बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन से कई लाभ मिलते हैं, मसलन दक्षता में सुधार और सटीक लोडिंग, रेक में कोयले की अंडरलोडिंग और ओवरलोडिंग दोनों को कम करना। तेज़ लोडिंग समय के कारण टर्नअराउंड समय कम हो गया है और रेक की उपलब्धता में सुधार हुआ है। कोयले की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिससे संदूषण और नुकसान कम हुआ है। सड़क परिवहन पर निर्भरता कम हुई है, जिससे डीजल खर्च में बचत हुई है।

खाद्य तेलों में टिकाव; दाल और मीठे में मिलाजुला रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में तेजी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दाल और मीठे में मिलाजुला रुख वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा सप्ताहांत पर 124 रिंगिट उबलकर 4849 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.44 सेंट की बढ़ोतरी लेकर 47.03 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 15751 रुपये प्रति

क्विंटल, मूंगफली तेल 18462 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15457 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13187 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16044 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से 2025 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने हुए हैं। फरवरी के महीने में एफपीआई अभी तक स्टॉक मार्केट से 23,710 करोड़ रुपये के निकासी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिसिप्रोकल ड्यूटी के ऐलान और स्टील तथा एल्युमिनियम के इंपोर्ट पर नए टैरिफ लगाने की बात उठने के कारण बाजार में वैश्विक स्तर पर चिंता बनी हुई है, जिसकी वजह से एफपीआई अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार साल 2025 में एफपीआई एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं।

जनवरी के महीने में एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार से 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इसके बाद फरवरी में भी घरेलू बाजार से अपने पैसे की निकासी करते हुए एफपीआई ने 21 फरवरी तक 23,710 करोड़ रुपये की निकासी कर ली। इस तरह 2025 में एफपीआई कुल 1,01,737 करोड़ रुपये निकासी कर चुके हैं। विदेशी निवेशकों की ओर से की जा रही इस जोरदार बिकवाली के कारण निफ्टी

ने इस अवधि में वार्षिक आधार पर 4 प्रतिशत का निगेटिव रिटर्न दिया है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक स्तर पर मची हलचल, खासकर अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की नीतियों की वजह से निवेशकों में चिंता बनी हुई है।

विशेष रूप से जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ वॉर को तेज करने का संकेत दिया है, उससे ग्लोबल मार्केट में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। ऐसी स्थिति में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर बाजार समेत दुनिया के सभी उभरते बाजारों में निकासी करके जोखिम प्रबंधन की रणनीति अपना रहे हैं। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि वैश्विक मोर्चे पर बनी चिंता के साथ ही घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजे और डॉलर इंडेक्स की मजबूती के कारण रुपये की कीमत में आई गिरावट के कारण भी इंडियन एसेट्स को लेकर ग्लोबल अपील कमजोर हुई है।

सर्राफा बाजार में तेजी, 88 हजार के करीब पहुंचा 24 कैरेट सोना

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 88 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,770 रुपये से लेकर 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,450 रुपये से लेकर 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में

24 कैरेट सोना आज 87,770 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.65 लाख करोड़ की गिरावट, टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 1.65 लाख करोड़ से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल दो कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 14,931.63 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), हिन्दुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में कुल 1,65,784.90 करोड़ रुपये की गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 53,185.89 करोड़ रुपये कम होकर 13,69,717.48 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 44,407.77 करोड़ रुपये घट कर 9,34,223.54 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 18,235.45 करोड़ रुपये कम होकर 8,70,579.68 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 17,962.62 करोड़ रुपये घट कर 5,26,684.38 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 17,086.61 करोड़ रुपये घट कर 7,53,700.15 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 11,949.42 करोड़ रुपये कम होकर 5,01,750.43 करोड़ रुपये के स्तर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 2,555.53 करोड़ रुपये घट कर 12,94,152.82 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 401.61 करोड़ रुपये गिर कर 6,43,955.96 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 14,547.30 करोड़ रुपये उछल कर 16,61,369.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 384.33 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,20,466.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,61,369.42 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 13,69,717.48 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 12,94,152.82 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,34,223.54 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,70,579.68 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 7,53,700.15 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 6,43,955.96 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,26,684.38 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,20,466.75 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,01,750.43 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों की लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में तेजी

एजेंसी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव तेजी लिए रहे। सप्ताहांत मूंगफली तेल चार रुपए एवं सोयाबीन रिफाइंड चार रुपए प्रति किलो महंगा बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली सुस्त बताई गई। सोमवार को मूंगफली तेल 1380 से 1400 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो 1420 से 1440 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1285 से 1290 रुपये पर खुलकर 1325 से 1330 रुपये बिका। पाम तेल 1415 से 1420 रुपये खुलकर 1435 से 1440 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से भाव लगभग बने रहे। सरसों, सोयाबीन में रिफाइनरी वालों की खरीदी सीमित रही। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती दर्ज की गई।

एआई डाउनलोड्स में चीन और अमेरिका से भी आगे निकला भारत : वित्त मंत्री

एजेंसी

कोट्टायम। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत में इनोवेशन की तेज गति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने में देश की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत एआई डाउनलोड्स में चीन और अमेरिका से भी आगे निकला गया है।

वित्त मंत्री ने आईआईआईटी कोट्टायम के दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के उस बयान जिक्र किया, जिसमें उन्होंने भारत को 'एआई के उपयोग की राजधानी' बताया था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह एक 'बहुत बड़ा बयान' है क्योंकि इसका मतलब है कि हम सिर्फ एआई के बारे में बात नहीं कर रहे हैं या केवल एआई में शोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम इसे बड़े पैमाने पर लागू कर रहे हैं।

भारत द्वारा तेजी से एआई को

अपनाने को लेकर वित्त मंत्री ने कहा कि 2024 में देश में एआई से जुड़े हुए 3 अरब ऐप डाउनलोड हुए थे। यह आंकड़ा अमेरिका के 1.5 अरब और चीन के 1.3 अरब से काफी अधिक है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि हम न केवल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने में अग्रणी हैं बल्कि हम यह भी आकार दे रहे हैं कि एआई को कैसे नियंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि पेरिस में हाल ही में एआई एक्शन समिट में (जिसकी भारत ने फ्रांस के साथ सह-अध्यक्षता की थी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एआई सिर्फ एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। हमें एक ऐसे एआई की जरूरत है जो नैतिक, समावेशी और भरोसेमंद हो। उन्होंने आगे बताया कि ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गई है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का पेटेंट-टू-जीडीपी रेश्यो 2013 में 144 से बढ़कर 2023 में 381 हो गया है। यह दिखाता है कि देश में बीते दस वर्षों में पेटेंट की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।

मनसुख मांडविया सामाजिक न्याय और ईएसआईसी के 74वें स्थापना दिवस पर क्षेत्रीय संवाद का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 74वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक न्याय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय संवाद का उद्घाटन करेंगे। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हुंगबो इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वार्ता के उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, श्रम सचिव सुमिता डावरा भी उपस्थित रहेंगे। मंत्रालय ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन आईएलओ द्वारा सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की दिशा में नीति और कार्रवाई के लिए वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय

दिग्गजों को एक साथ लाने के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। नवंबर, 2023 में शुरू किए गए इस गठबंधन में बहुत कम समय में 90 सरकारों सहित 336 भागीदार शामिल हो चुके हैं। श्रम मंत्रालय के मुताबिक क्षेत्रीय वार्ता के उद्घाटन सत्र में गठबंधन के साझेदारों, सरकारों, भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों, नियोक्ता और श्रमिक संगठनों, शिक्षाविदों और उद्यमों के प्रतिनिधियों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के विशेषज्ञों और ईएसआईसी के सदस्यों एवं अधिकारियों सहित 500 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे।

'सात परियोजनाओं के लिए मिले 75 करोड़ डॉलर', वित्त मंत्रालय ने कहा- कोई प्रोजेक्ट चुनाव से जुड़ा नहीं

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) फंडिंग विवाद के बीच वित्त मंत्रालय ने बड़ा खुलासा किया है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अमेरिकी एजेंसी ने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सात परियोजनाओं की फंडिंग की। लेकिन इसमें से कोई भी परियोजना चुनाव या मतदान बढ़ाने से जुड़ी नहीं है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा समय में भारत सरकार के साथ साझेदारी के तहत अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने सात परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की सात परियोजनाओं के तहत एजेंसी द्वारा कुल 97 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 825 करोड़ रुपये) का दायित्व बनाया गया है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने रिपोर्ट में परियोजनाओं की जानकारी भी दी है। इसके तहत अमेरिकी एजेंसी ने कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जल, सफाई एवं स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं के लिए फंडिंग की।

अगले सप्ताह 2 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 5 कंपनियों के शेयरों की होगी स्टॉक मार्केट में लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहा कारोबारी सप्ताह आईपीओ लॉन्चिंग के लिहाज से काफी सुस्त रहने वाला है। इस सप्ताह सिर्फ दो नए पब्लिक इश्यू लॉन्च होने वाले हैं। ये दोनों इश्यू एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा निवेशकों के पास पिछले सप्ताह 20 और 21 फरवरी को खुले तीन आईपीओ में भी 24 और 25 फरवरी तक बोली लगाने का मौका है। इस सप्ताह पांच कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में लिस्ट होकर कारोबार की शुरुआत करेंगे।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही 24 फरवरी को न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस का 31.70 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 27 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 234 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 600 शेयर का है। कंपनी के शेयर 4 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अगले दिन 25 फरवरी को श्रीनाथ पेपर का 23.36 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 28 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 44 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 3,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 5 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा पिछले सप्ताह 20 फरवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एचपी टेलीकॉम इंडिया के 34.23 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 24 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 108 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 1,200 शेयर का है। ये इश्यू अभी तक फुली सब्सक्राइब हो चुका है। कंपनी के शेयर 28 फरवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह 20 फरवरी को ही सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हुए स्वस्थ फूड टेक के 14.92 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल यानी 24 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 94 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 1,200 शेयर का है। अभी तक इश्यू को चार गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। कंपनी के शेयर 28 फरवरी को एबीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।इसके अलावा 21 फरवरी को ओपन हुए बीजासन एक्सप्लोटेक के 59.93 करोड़ रुपये के आईपीओ में 25 फरवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू में बोली लगाने के लिए 165 से 175 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि इसका लॉट साइज 800 शेयर का है। कंपनी के शेयर 3 मार्च को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

अगले कारोबारी सप्ताह के दौरान 5 कंपनियां अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करने वाली हैं। इनमें कल यानी 24 फरवरी को क्वालिटी पावर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इसके अलावा कल ही एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर रॉयल आर्क इलेक्ट्रोड्स और तेजस कार्गो के शेयरों की लिस्टिंग होगी। इसके बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 28 फरवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर एचपी टेलीकॉम इंडिया के शेर लिस्ट होंगे। इसी दिन बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर स्वस्थ फूड टेक के शेयर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

ग़ाज़ा में पोलियो वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाने के अभियान का नया दौर शुरू

गाजा। इसराइल के क़ब्ज़े वाले ग़ाज़ा में, 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 6 लाख बच्चों को पोलियो से बचाने वाली वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाने के अभियान का नया दौर, शुरू हुआ है। मौजूदा अभियान, पिछले वर्ष के पोलियो वैक्सीन अभियान की अगली कड़ी है जिसमें लाखों छोटे बच्चों को पोलियो से बचाने वाली वैक्सीन की ख़ुराकें पिलाई गई थीं। ग़ाज़ा में हाल के समय में, अपशिष्ट जल के नमूनों में पोलियो वायरस पाया गया था, जिससे नज़र आता है कि इसका प्रसार जारी है, जिसके कारण, बच्चों को पोलियो का संक्रमण होने का जोखिम है। इस अभियान का नेतृत्व फ़लस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा है और इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, संयुक्त राष्ट्र की फ़लस्तीन शरणार्थी एजेंसी - NRWA और अन्य भागीदारों के सहयोग से लागू किया जा रहा है। UNRWA के महाआयुक्त फ़िलिप लज़ारिनी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि एजेंसी के स्वास्थ्य केन्द्रों और सचल इकाइयों पर तैनातों टीमों के 1 हज़ार 700 सदस्य, इस अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी -WHO के महानिदेशक डॉक्टर टैड्रॉस ऐडहेनॉम घेबरेयेसस ने कहा है कि तमाम टीमें धरातल पर मुस्तैदी के साथ, इस अभियान को सुचारू व सफल बनाने के लिए, सक्रिय हैं। यूएन एजेंसियों ने बताया है कि इस अभियान में कुल 1 हज़ार 660 टीमें, पोलियो वैक्सीन की ख़ुराकें पिला रही हैं।

चीन से बढ़ते खतरों के बीच ताइवान अपनी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : उपराष्ट्रपति

ताइपे । ताइवान की राजधानी ताइपे में हैलिफैक्स इंटरनेशनल सिक्योरिटी फोरम 2025 के समापन समारोह में उपराष्ट्रपति हिसियाओ बि-खिम ने कहा कि ताइवान अपनी आत्मरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने सहयोगियों और समान विचारधारा वाले देशों से वैश्विक शांति और समृद्धि बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए ताइवान बहुत महत्वपूर्ण है। अपने भाषण में हिसियाओ ने ताइवान के हवाई क्षेत्र में चीन की लगातार घुसपैठ और ताइवान पर हो रहे साइबर हमलों का जिक्र किया। ताइवान के प्रमुख समाचार पत्र ताइपे टाइम्स के अनुसार, उन्होंने कहा कि ताइवान ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और उसकी सेना से होने वाले खतरों का सामना करने के लिए एक खास तरीका अपनाया है। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने 2025 हैलीफ़ैक्स ताइपे फ़ोरम के उद्घाटन में हिस्सा लिया। अपने भाषण में राष्ट्रपति लाई ने हैलीफ़ैक्स इंटरनेशनल सिक्योरिटी फ़ोरम का ताइवान के लिए मजबूत समर्थन देने और इस फ़ोरम को आयोजित करने के लिए उत्तरी अमेरिका के बाहर पहले स्थान के रूप में ताइवान को चुनने के लिए धन्यवाद किया।

सलमान रुश्दी पर चाकू से हमले का मामला : कौन है हादी मतार, जिसे अदालत ने ठहराया दोषी

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क के एक व्याख्यान मंच पर मशहूर ब्रिटिश-भारतीय लेखक सलमान रुश्दी पर कई बार चाकू से हमला करने वाले न्यूजर्सी के एक शख्स को हत्या के प्रयास और हमले का दोषी ठहराया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 27 वर्षीय हादी मतार को अब 30 वर्ष से अधिक जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। अगस्त 2022 में हुए हमले में रुश्दी को गंभीर चोटें आई थीं। उनके लीवर को नुकसान पहुंचा, एक आंख की रोशनी जाती रही उनका हाथ लकवाग्रस्त हो गया क्योंकि हाथ की तंत्रिका को नुकसान पहुंचा था। जूरी ने हमले की जगह के पास पश्चिमी न्यूयॉर्क राज्य के चौटाउक्वा काउंटी कोर्ट में दो सप्ताह की सुनवाई के बाद मतार को दोषी करार दिया। जूरी ने मतार को साक्षात्कारकर्ता हेनरी रीस पर भई हमले का भी दोषी पाया। वह लेखक के साथ मंच पर मौजूद थे। हमले के दौरान रीस के सिर में मामूली चोट लगी थी। मतार की सजा की तारीख 23 अप्रैल तय की गई है। 77 वर्षीय रुश्दी ने गवाही दी कि वह ऐतिहासिक चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन में मंच पर थे, जब उन्होंने एक व्यक्ति को अपनी ओर भागते हुए देखा। घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमलावर की आंखें देखकर वह दंग रह गए, जो काली थीं और बहुत क्रूर लग रही थीं। पहले तो उन्हने सोचा कि उसे मुक्का मारा गया है, लेकिन बाद में एहसास हुआ कि उन्हें चाकू मारा गया है - कुल 15 बार - और उनकी आंख, गाल, गर्दन, छाती, धड़ और जांघ पर घाव हुए थे।

चुनावों में असफलता के बाद एफडीपी नेता लिंडनर ने छोड़ी राजनीति

मॉस्को। जर्मनी में मौजूदा सत्तारूढ़ गठबंधन से अलग हुये फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी (एफडीपी) के नेता और पूर्व वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर ने अपनी पार्टी के चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद राजनीति से हटने की पुष्टि की। लिंडनर ने इससे पहले कहा था कि अगर चुनावों के परिणामस्वरूप एफडीपी बुंडेस्टाग में नहीं पहुंची तो वह पार्टी का नेतृत्व छोड़ देंगे और राजनीति छोड़ देंगे। लिंडनर ने 'एक्स' पर कहा, संघीय चुनाव एफडीपी के लिए हार लेकर आए, लेकिन मुझे उम्मीद है कि वे जर्मनी के लिए एक नई शुरुआत भी लेकर आए। मैंने इसी के लिए लड़ाई लड़ी। अब मैं सक्रिय राजनीति छोड़ रहा हूं।

299 में से 154 जिलों के वोटों की गिनती के साथ एफडीपी 5 प्रतिशत सीमा तक पहुंचने में विफल रहती है और इसलिए बुंडेस्टाग में प्रवेश नहीं करती है। पार्टी को केवल 4.1 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन प्राप्त मिला।

युद्ध के तीन साल : पुतिन बोले - रूसी सैनिक यूक्रेन में 'राष्ट्रीय हितों' की कर रहे रक्षा

एजेंसी

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में उनके सशस्त्र बल 'राष्ट्रीय हितों' की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने बदलती विश्व व्यवस्था में देश की सेना को मजबूत करने का संकल्प लिया।पुतिन का यह बयान ऐसे समय में आया जब यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे होने वाले हैं। 24 फरवरी, 2022 तो मॉस्को ने कीव पर पूर्ण पैमाने का आक्रमण किया था। रूस के 'डिफेंडर्स ऑफ द फादरलैंड डे' पर क्रेमलिन द्वारा जारी एक वीडियो में पुतिन ने कहा, 'आज, अपने जीवन को जोखिम में डालकर, साहस के साथ, वे (सैनिक) अपनी मातृभूमि, राष्ट्रीय हितों और रूस के भविष्य की रक्षा कर रहे हैं।'देश के प्रमुख दैनिक 'द मॉस्को टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, रूस की सुरक्षा और संप्रभुता की गारंटी के

लिए, हम सेना और नौसेना की लड़ाकू क्षमताओं में सुधार करना जारी रखेंगे।इससे पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने इस सप्ताह रियाद में यूएस प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता की, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज और मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ शामिल थे। इस वार्ता का उद्देश्य रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत करना और अपने संबंधों को बेहतर बनाना था। विज्ञप्ति के अनुसार, रूसी पक्ष ने संघर्ष के मूल कारणों को समाप्त करने, स्थायी एवं सतत शांति प्राप्त करने के लिए उचित परिस्थितियां बनाने, क्षेत्र के सभी देशों की सुरक्षा और वैध हितों को सुनिश्चित करने के महत्व पर बल दिया। निकट भविष्य में नियुक्त किए जाने वाले विशेष दूतों के माध्यम से इस क्षेत्र में संयुक्त कार्य जारी रखने के लिए एक समझौता हुआ। हाल ही में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'रियाद में रूस और अमेरिका के बीच हुई बातचीत रूस-अमेरिका संबंधों को बहाल करने और दोनों देशों के बीच विश्वास का निर्माण करने की दिशा में एक कदम था।'

पोप फ्रांसिस की हालत नाजुक, दोनों फेफड़ों में संक्रमण

एजेंसी

वेटिकन सिटी। वयोवृद्ध पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर बनी हुई है। वह कुछ समय से अस्वस्थ हैं। ताजा रक्त परीक्षण में गुर्दे की विफलता के हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने रविवार सुबह जेमेली अस्पताल की 10वीं मंजिल पर स्थापित अपार्टमेंट से पवित्र मास में भाग लिया।

सीएनएन न्यूज चैनल की खबर में वेटिकन के हवाले से यह जानकारी दी गई। वेटिकन ने जारी बयान में कहा कि 88 वर्षीय पोप अपने दोनों फेफड़ों में निमोनिया के संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें एक सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें लगातार ऑक्सीजन दी जा रही है। वेटिकन ने कहा कि उनकी स्थिति दिन-प्रतिदिन जटिल हो रही है। फ्रांसिस दोनों फेफड़ों में निमोनिया के निदान के बाद अस्पताल में रहेंगे। ऑरलैंडो हेल्थ मेडिकल ग्रुप यूरोलॉजी के डॉ. जैमिन ब्रह्मभट्ट ने कहा है कि उनकी हालत अभी भी काफी गंभीर है। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी को पोप फ्रांसिस के

अस्पताल में भर्ती होने के बाद 15 फरवरी को जयंती समारोह रद्द कर दिया गया था। यही नहीं, सिनेसिटा में पोप फ्रांसिस के साथ 17 फरवरी को होने वाली कलाकारों की बैठक को भी रद्द कर दिया गया। पोप फ्रांसिस का असल नाम जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो है।

जर्मनी के आम चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी की जीत

एजेंसी

बर्लिन। जर्मनी के आम चुनाव में विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन ने जीत दर्ज की। इसी के साथ मर्ज का जर्मनी का नया चांसलर बनने का रास्ता साफ हो गया। 69 वर्षीय फ्रेडरिक मर्ज को रूढ़िवादी नेता माना जाता है। जर्मनी के समाचार पत्र बिल्ड ने चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी के जीत दर्ज करने की पुष्टि की है। उनकी पार्टी ने आम चुनाव में सबसे बड़ा वोट शेयर हासिल किया है। उन्होंने ओलाफ स्कोल्ज की वाम सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) को शिकस्त दी है। जर्मन ब्रॉडकास्टर एआरडी के अनुसार, मर्ज के नेतृत्व वाले ब्लॉक (क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) और क्रिश्चियन सोशल यूनियन (सीएसयू) ने 28.5 प्रतिशत मत हासिल किया है। जर्मनी की दूसरी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी ने 20.7 प्रतिशत वोट प्राप्त किया है। 11 नवंबर, 1955 को

जर्मनी के ब्रिलोन में जन्मे मर्ज का परिवार कानून के क्षेत्र से जुड़ा रहा है। मर्ज ने भी कानून की पढ़ाई की है। वह 1972 में राजनीति में आए।1981 में चार्लोट से शादी की। चार्लोट जज हैं। उनके तीन बच्चे हैं। 1989 में मर्ज यूरोपीय संसद के लिए चुने गए। 1994 में उन्होंने होचसॉएरलैंडक्रेइस निर्वाचन क्षेत्र से जीतने के बाद जर्मन संघीय संसद बुंडेस्टाग में प्रवेश किया।

नेपाल के प्रधानमंत्री को भारत से न्योते का इंतजार, विदेश मंत्री ने कहा- निमंत्रण मिलते ही होगा दौरा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भारत भ्रमण के लिए निमंत्रण की प्रतीक्षा में हैं। जेनेवा प्रस्थान करने से पहले पत्रकारों से बातचीत में डॉ. राणा ने कहा कि भारत से निमंत्रण मिलते ही वो दिल्ली के दौरे पर जाएंगे।

मस्कट भ्रमण से लौट कर विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने एक दिन बाद ही जेनेवा जाने से पहले प्रधानमंत्री ओली के भारत भ्रमण को लेकर कहा कि जल्द ही भारत सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री ओली के लिए निमंत्रण आ सकता है। यदि प्रधानमंत्री ओली का भारत भ्रमण नहीं हुआ तो अप्रैल में बैंकाक में होने वाले बिमस्टेक शिखर सम्मेलन में दोनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकात की उम्मीद है। डॉ. आरजू राणा ने कहा कि 2-4 अप्रैल में थाईलैंड की राजधानी में बिमस्टेक के शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री के साथ साइडलाइन वार्ता होने की

उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी प्रधानमंत्री ओली और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासभा के दौरान साइडलाइन वार्ता हुई थी। प्रधानमंत्री ओली के पहले चीन भ्रमण पर सफाई देते हुए नेपाल की विदेश मंत्री ने कहा कि भारत से निमंत्रण नहीं आने के कारण ही उन्होंने पहले चीन का भ्रमण किया था। डॉ. राणा ने यह भी बताया कि हाल ही में मस्कट में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से साइडलाइन मुलाकात के दौरान भी उन्होंने प्रधानमंत्री ओली के भारत भ्रमण को लेकर आग्रह किया है।

भारी बर्फबारी के कारण तुर्की के 18 प्रांतों में 2,173 सड़कें अवरुद्ध, जनजीवन अस्त-व्यस्त

एजेंसी

अंकारा । भारी बर्फबारी और बर्फीले तूफानों ने तुर्की के 18 प्रांतों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। टीआरटी की रिपोर्ट के अनुसार, 2,173 सड़कें बंद हो गई हैं।

पूर्वी वान प्रांत के महानगरीय क्षेत्र में 19 इलाकों और 35 छोटे गांवों का संपर्क टूट गया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एरसिस जिले में बर्फ की मोटाई 40 सेंटीमीटर तक पहुंच गई है, जहां सड़कें साफ करने का काम जारी है। पूर्वी मुस प्रांत में प्रशासन बर्फबारी से लोगों को होने वाली परेशानी कम करने के लिए लगातार काम कर रहा है, लेकिन अब भी 46 गांवों की सड़कें बंद हैं। दक्षिण पूर्वी बिटलिस प्रांत में भी हालात गंभीर हैं। यहां 50 गांवों की सड़कें पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई हैं। पूर्वी हक्कारी में भारी बर्फबारी के कारण 34 बस्तियों का संपर्क कट गया था, जिनमें से 32

को फिर से जोड़ दिया गया है। हालांकि, शेमदीनली ज़िले के एलन गांव और युकसेकोवा ज़िले के अक्टोपरेक छोटे गांव में हिमस्खलन के खतरे के कारण रास्ते खोलने का काम नहीं हो सका है। काला सागर क्षेत्र में ऊंचाई वाले गांवों में बर्फबारी का अधिक असर पड़ा है। कस्तामोनु में पहाड़ी इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ है, जबकि सीनोप में 282 गांवों की सड़कें बर्फ से ढक गई हैं। सीनोप प्रांतीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सोमवार दोपहर तक बर्फबारी और ठंड के हालात बने रह सकते हैं। ट्राब्ज़ोन में सुबह से बर्फ गिर रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। तेज हवाओं के कारण काला सागर में ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिससे मछली पकड़ने वाली नौकाएं बंदरगाहों पर खड़ी रहने को मजबूर हैं। इसी तरह, रिजे में भी 81 गांवों की सड़कें बंद हो गई हैं और प्रशासन उन्हें साफ करने के प्रयास में जुटा है। पूर्वी एरज़ुरुम प्रांत में तेज बर्फबारी और हवाओं के कारण आठ इलाकों की सड़कें बंद हो गई हैं, जबकि अर्दहान में चार गांवों का संपर्क अभी भी टूटा हुआ है। प्रशासन ने सभी प्रभावित इलाकों के लोगों से सतर्क रहने और जब तक सड़कें पूरी तरह साफ नहीं हो जाती, तब तक जरूरी होने पर ही यात्रा करने की सलाह दी है।

नेपाल में अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेशी गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने काठमांडू के विभिन्न इलाकों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के सात नागरिकों को देर शाम गिरफ्तार किया है। यह लोग वीजा की अवधि समाप्ति या अवैध रूप से नेपाल में घुस कर रह रहे थे।

काठमांडू जिले के क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने सोमवार को बताया कि चोरी छिपे काठमांडू के विभिन्न इलाकों में बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध रूप से रहने और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने विभिन्न इलाकों से बांग्लादेश के सात नागरिकों को गिरफ्तार किया।

एसएसपी बस्नेत ने बताया कि गिरफ्तार बांग्लादेश के तीन नागरिकों के वीजा की अवधि को समाप्त हुए एक साल हो गया जबकि चार के पासपोर्ट पर वीजा ही नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि सभी अवैध रूप से भारत के रास्ते नेपाल के घुसे होंगे। पुलिस ने इनकी पहचान मोहम्मद अकुल इस्लाम (26), मोहम्मद आलममुल्ला (40), मोहम्मद जहांगीर आलम (37), मोहम्मद अमीनुल हक (36), मोहम्मद अब्दुल अहक (39), मोहम्मद नसरुद्दीन (28) और मोहम्मद मोहसार हुसैन (46) के रूप में की है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों के संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होने की सूचना मिली है। बस्नेत ने कहा कि ये सभी यहां के मेनपावर कंपनियों के साथ सेटिंग कर बांग्लादेशियों को यहां से खाड़ी देशों में भेजने का धंधा चला रहे थे। इसके एवज में यह लोग लाखों रुपये की वसूली भी करते थे।

भेज देंगे वापस : अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान की धमकी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हजारों अफगान नागरिकों के मामलों को खारिज कर दिया गया या समय पर कार्रवाई नहीं की गई तो उन्हें वापस उनके देश भेज दिया जाएगा। वॉयस ऑफ अमेरिका के अनुसार तुर्की में स्थानीय मीडिया से बात करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, यदि किसी शरणार्थी को किसी अन्य देश ने उचित प्रक्रिया के बाद लेना है लेकिन वह देश ऐसा करने से इनकार कर दे तो हमारे लिए, वह शरणार्थी पाकिस्तान में एक अवैध आप्रवासी होगा, और उसे उसके मूल देश, वापस भेजने के लिए हमें मजबूर होना पड़ सकता है। पिछले काफी समय से काबुल-इस्लामाबाद के बीच रिश्ते तनावपूर्ण चल रहे हैं ऐसे में पाकिस्तान का यह कदम तनाव और बढ़ाएगा। व्हाइट

हाउस की ओर से जारी एक कार्यकारी आदेश के अनुसार, पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक आदेश पारित कर अमेरिकी शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम को तब तक के लिए निलंबित कर दिया था, जब तक कि शरणार्थियों का अमेरिका में प्रवेश अमेरिका के हितों के अनुरूप नहीं होता। हालांकि, अफगानिस्तान ने अभी तक इशाक डार के नवीनतम बयानों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एक अलग घटनाक्रम में, पाकिस्तानी सरकार मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अफगान महिला न्याय आंदोलन की सदस्य जहरा मौसवी को वापस अफगानिस्तान भेजने की योजना बना रही है। उन्हें वर्तमान में इस्लामाबाद में पाकिस्तानी पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है। अफगानिस्तान के अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक मानवाधिकार संगठनों की बार-बार चेतावनी के बावजूद, पाकिस्तान ने कई अफगान शरणार्थियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है और उन्हें विभिन्न बहानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। अपने देश में युद्ध और संघर्ष से भागकर, अफ़गानिस्तान के लोग दशकों से पाकिस्तान में शरण लेते रहे हैं। 2021 में तालिबान के सत्ता में वापस आने के बाद, लाखों अफगान उत्पीड़न के डर से पाकिस्तान चले गए। 2023 में, प्रवासियों की स्थिति और खराब हो गई क्योंकि पाकिस्तानी अधिकारी अपमानजनक रणनीति और सामूहिक निर्वासन में शामिल हो गए।

सूडान के व्हाइट नील राज्य में हैजा से तीन दिनों में 83 लोगों की मौत : एनजीओ

एजेंसी

खार्तूम। स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने बताया कि सूडान के व्हाइट नाइल राज्य में हैजा से मौत को लेकर भयावह आंकड़ा साझा किया है। इसके मुताबिक पिछले 72 घंटों में हैजा से 83 लोगों की मौत हो गई है।गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने शनिवार को एक बयान में कहा, व्हाइट नाइल में हैजा फैलने से 83 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1,197 अन्य संक्रमित हुए हैं, जिनमें से शुक्रवार तक 259 लोग ठीक हो चुके हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार, नेटवर्क ने स्थिति को वनाशकारी बताते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अस्पताल में बिस्तरों की कमी और बीमारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त केंद्र खोलें।नेटवर्क ने स्थानीय प्राधिकारियों से जागरूकता अभियान तेज करने, बाजारों को संक्रमणमुक्त करने, पारंपरिक तरीकों से पेयजल वितरण को रोकने तथा जल नेटवर्क की कमी वाले क्षेत्रों में क्लोरीन वितरित करने का भी आह्वान किया। इस बीच, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने चेतावनी दी कि व्हाइट नाइल राज्य के प्रमुख शहर कोस्टी में स्वास्थ्य स्थिति बहुत खतरनाक मोड़ ले रही है, जहां 800 से अधिक हैजा के मामले सामने आए हैं और कई लोगों की मौत हुई है। एक अन्य गैर सरकारी संगठन, डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) ने भी एक प्रेस विज्ञप्ति में पुष्टि की कि ÷बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो गई है, और 800 से अधिक लोग तेज दस्त, डिहाइड्रेशन, उल्टी आदि के लक्षणों के साथ कोस्टी टीचिंग अस्पताल में हैजा उपचार केंद्र में इलाज करा रहे हैं, जिसे एमएसएफ द्वारा सहायता प्राप्त है। इसमें बताया गया कि पहले 100 मरीज बुधवार रात को उपचार केंद्र पहुंचे और शुक्रवार दोपहर तक यह संख्या 800 से अधिक हो गई। प्रेस विज्ञप्ति में कोस्टी में एमएसएफ के चिकित्सा समन्वयक फ्रांसिस लायो ओकान के हवाले से कहा गया, स्थिति चिंताजनक है और नियंत्रण से बाहर होने वाली है।एमएसएफ ने इस आपात स्थिति से निपटने के लिए अन्य संगठनों से सहायता की अपील की है, साथ ही यह भी कहा है कि संक्रमण का सबसे संभावित स्रोत व्हाइट नील नदी है। दरअसल, 16 फरवरी को राज्य के उम-दबाकिर बिजलीघर पर ड्रोन से हमला किया गया था, जिससे आस-पास के प्रमुख शहरों के जलघर प्रभावित हुए और स्थानीय निवासियों को व्हाइट नील नदी से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

यूक्रेन को नाटो सदस्यता दिलाने के एवज में राष्ट्रपति पद छोड़ने को तैयार हैं जेलेंस्की

कीव।यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि वह अपने देश को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन(नाटो) की सदस्यता के बदले राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक श्री जेलेंस्की ने कहा है कि वह लंबे समय तक राष्ट्रपति बने रहने के अभिलाषी नहीं है और उनके देश को नाटो से संबंद्ध कर लिया जाता है तो वह तत्काल अपना पद छोड़ देंगे। उन्होंने जोर दिया कि उनके इस कदम से यूक्रेन में शांति बहाल होती है तो वह ऐसा करने से गुरेज नहीं करेंगे।

संघर्ष के कारणों को दूर किए बिना यूक्रेन युद्धविराम परिणामों से भरा: रयाबकोव

कीव। यूक्रेन में संघर्ष के मूल कारणों को खत्म किए बिना युद्धविराम से रूसी-अमेरिका संबंधों सहित गंभीर परिणाम होने का खतरा है। रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने 'आरआईए नोवोस्ती' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मॉस्को ऐसा नहीं चाहता है और रियाद में एक बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधियों को अपनी स्थिति के बारे में विस्तार से बताया।

इजरायल ने रोकी फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई, हमास के सामने रखी यह शर्त

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई स्थगित करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जब तक हमास इजरायली बंधकों की रिहाई के दौरान अपने 'अपमानजनक समारोह' बंद नहीं कर देता तब तक यह रोक जारी रहेगी। गाजा युद्धविराम समझौते के तहत हमास ने 6 इजरायली बंधकों की रिहाई की जबकि इजरायल को 602 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना था।

नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, 'हमास की ओर से बार-बार किए गए उल्लंघनों, जिनमें हमारे बंधकों को अपमानित करने वाले समारोह और प्रचार उद्देश्यों के लिए हमारे बंधकों का निंदनीय शोषण शामिल है, के मद्देनजर यह फैसला लिया गया कि शनिवार को होने वाली आतंकवादियों (फिलिस्तीनी कैदी) की रिहाई तब तक के लिए स्थगित

रहेगी, जब तक कि अगले बंधकों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती और रिहाई पर होने वाले अपमानजनक समारोह बंद नहीं होते। 19 जनवरी को युद्ध विराम शुरू होने के बाद से, हमास ने 25 इजरायली बंधकों को रिहा किया है। लगभग सभी की एक सार्वजनिक समारोह में रिहाई हुई है जिन्हें इजरायल फिलिस्तीनी ग्रुप का प्रचार स्टंट बताता है। हालांकि शनिवार को बंधक हिशाम अल-सईद की रिहाई एक अपवाद रही। हमास ने बिना किसी सार्वजनिक कार्यक्रम के उन्हें रेडक्रॉस को सौंप दिया।

हिशाम रिहा होने वाले पहले मुस्लिम इजरायली हैं। हालांकि शनिवार सुबह हमास ने पांच बंधकों की रिहाई पूरे धूम-धाम से की थी। हमास ने हिशाम अल-सईद को बिना किसी बड़े कार्यक्रम के रिहा करने का कोई कारण नहीं बताया। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हमला करके 251 बंधकों को पकड़ लिया और लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था जिसके बाद युद्ध शुरू हो गया।

गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के हमले में कम से कम 48,319 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजरायल के हमलों से गाजा की लगभग दो-तिहाई इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई।

सब्जियों की पौधशाला

साग-सब्जियों की सफल खेती मुख्य रूप से बीज एवं उससे तैयार पौध (रोप) पर निर्भर करती है।

स्वस्थ एवं अच्छे गुणवत्ता के बीजों का उपयोग करके किसान रोगरहित व अपेक्षित मात्रा में पौध प्राप्त कर सकते हैं।

व्यावसायिक रूप से सब्जी उत्पादन के लिए बीज स्वस्थ, शुद्ध तथा उन्नत किस्म का ही होना चाहिए। इसे कृषि/उद्यानिकी विभाग, राष्ट्रीय बीज निगम, राष्ट्रीय बीज विकास निगम, कृषि विश्वविद्यालय या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ही खरीदें।

पौधशाला ऐसा स्थान है जहां पर बीज के द्वारा पौध (रोप) तैयार करने के लिए आधारभूत आवश्यकताओं का उचित प्रबंध किया जाता है। ऐसे स्थान को पौधशाला (नर्सरी) कहते हैं। यहां पर स्थान बदलकर रोपी जा सकने वाली सब्जियों जैसे- टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, गोभीवर्गीय सब्जियों के बीजों को कम स्थान में सघनता के साथ कम समय के लिए बोया जाता है। आजकल कद्दूर्गीय सब्जियों की भी पौध तैयार कर रोपित की जाती है।

नर्सरी का क्षेत्र सीमित होने के कारण देखभाल करना आसान एवं सस्ता होता है, परिणामत: विपरीत परिस्थितियों में भी स्वस्थ एवं अपेक्षित मात्रा में पौधे प्राप्त किये जा सकते हैं।

पौधशाला के लिए स्थान का चयन

- पौधशाला के लिए चयनित स्थान की मृदा हल्की, पर्याप्त कार्बनिक पदार्थयुक्त, उपजाऊ एवं भुरभुरी हो।
- अम्लीय या क्षारीय मृदा का चयन न करें।
- स्थान अपेक्षाकृत ऊंचा हो, जहां पर जल निकास का उचित प्रबंध हो।
- सिंचाई की सुविधा आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए।
- खुला स्थान हो, जहां सूर्य का प्रकाश पूरे दिन बराबर मिलता रहे।
- चयनित क्षेत्र जंगली पशुओं, कुत्तों, गिलहरियों आदि से सुरक्षित होना चाहिए।
- प्रतिवर्ष पौधशाला का स्थान बदलतेरहें।

सब्जियों का उनके उगाने के आधार पर वर्गीकरण

सीडलिंग ट्रे

सब्जियों खासकर मिर्च, टमाटर, बैंगन की संकर किस्मों का बीज काफी महंगा आता है। इसलिए आजकल रोगरहित मजबूत पौध उगाने के लिए संरक्षित वातावरण में सीडलिंग ट्रे का उपयोग किया जाता है। सीडलिंग ट्रे अलग-अलग आकार व खानों की होती है। इनमें बीज बोने के लिए 97-200 तक खाने हो सकते हैं। सीडलिंग ट्रे के प्रत्येक खाने का आकार एक से डेढ़ इंच तक होता है। इसके खानों में कोकोपिट, वर्मीकुलाइट और परलाइट के 3:1:1 के अनुपात में बने मिश्रण को भर देते हैं। सीडलिंग ट्रे में बीजों का अंकुरण अच्छा होता है व पौधे कम मरते हैं। पौधे जब खेतों में लगाने योग्य हो जाते हैं, तब इन ट्रे को खेत में ले जाकर खांचे से माध्यम सहित पौधों को निकालकर क्यारियों में निश्चित स्थान पर लगा देते हैं। इससे पौधों की जड़ों को नुकसान नहीं पहुंचता है और पौधे खेत में सही तरह से जम जाते हैं।

कुछ सब्जियों का उत्पादन लेने के लिए उनके बीज की, तैयार खेत में सीधे एवं उचित अंतराल पर बुआई कर दी जाती है। जैसे-भिण्डी, पालक, गाजर, मली एवं सभी फलीदार सब्जियां आदि।

रोपण द्वारा बुआई की जाने वाली कुछ सब्जियों के बीज सीधे मुख्य खेत में बोना ज्यादा जोखिम भरा होता है, अत ऐसी सब्जियों की अलग से पौधशाला में पौध तैयार की जाती है और लगभग एक से डेढ़ माह बाद तैयार पौध को मुख्य खेत में रोपित कर दिया जाता है।

सब्जियों की रोपणी मुख्यत: तीन प्रकार से तैयार की जा सकती है

- बीजों को क्यारियों में या प्रो-ट्रे में बुआई कर: टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज एवं गोभीवर्गीय सब्जियां आदि।
- बीजों की थैलियों में बुआई: जैसे कद्दूर्गीय सब्जियां
- वानस्पतिक विधि या कलमद्वारा: जैसे-परवल, कुन्दरू, शकरकंद

किस्मों का चयन

सब्जियां तथा उनकी किस्मों का चयन मृदा के प्रकार एवं उसकी गुणवत्ता तथा जलवायु के आधार पर करना चाहिये। कुछ सब्जियों की उन्नत किस्में सारणी-1 में दी गई हैं।

सारणी 1. विभिन्न सब्जियों की उन्नत एवं संकर किस्में

- **टमाटर**

उन्नत किस्में- पूसा रूबी, पूसा गौरव, हिसार अरुण, हिसारएन.अनमोल, हिसार गौरव, एस.एस.-101 पंजाब छुहारा

संकर किस्में- एन.एस.-815, एन.एस.-2535, एन.एस.-8014, स्वरक्षा, निधि,अविनाश-2, पूसा संकर-2,ए.आर.टी.एच.-3

- **बैंगन**

उन्नत किस्में- पूसा पर्पल लांग, पूसा पर्पल राउण्ड, मुक्ताकाशी, पंत सम्राट, पंत ऋतुराज, अर्का के

संकर किस्में- पूसा हाइब्रिड-6, पूसा हाईब्रिड-9इम्प्रूव्ड निशा, रवैया, वी.एन.

क्यारियों में रोपणी तैयार करने के लिए एक आदर्श रोपणी की क्यारियों का आकार 3 मीटर लंबा एवं 1 मीटर चौड़ा होना चाहिए।

वर्षाकालीन नर्सरी के लिए सतह से 15-20 सें.मी. ऊंचाई वाली नर्सरी क्यारी उचित रहती है। उठी हुई क्यारी बनाने के लिए क्यारी के किनारों की मृदा निकाल कर क्यारी के बीच के हिस्से में डालते हैं। इससे क्यारी ऊंची हो जाती है और किनारों की तरफ नाली बन जाती है, जो जल निकास का कार्य करती है। दो क्यारियों के बीच कम से कम 50 सें.मी. का स्थान खाली छोडना चाहिए, ताकि संपूर्ण क्यारियों में अंतर्कर्षण क्रियाएं (सिंचाई, निराई, गुड़ाई) आदि आसानी से की जा सकें।

गर्मी के मौसम में धंसी हुई तथा सर्दी में सपाट क्यारियां बनानी चाहिए। धंसी हुई क्यारी बनाने के लिए क्यारी के अंदर की मृदा मेड़ पर डाल देते हैं।

क्यारियों में बीज की बुआई

क्यारी में सर्वप्रथम उसकी चौड़ाई के समानान्तर 5 सें.मी. की दूरी पर 0.5 सें.मी. गहरी पक्तियां बना लेते हैं तथा इन्हीं पंक्तियों में लगभग 1 सें.मी. की दूरी पर बीज डालते हैं।बुआई के बाद बीजों को कम्पोस्ट, मृदा व रेत के (1:1:1) के मिश्रण से ढक देना चाहिए,

रोपणी में क्यारियों की संख्या का निर्धारण, फसल एवं खेत के आकार के अनुसार करना चाहिए।

रोपणी की तैयारी एवं उपचार

पौधशाला की मृदा की एक बार गहरी जुताई या फावड़े की सहायता से अप्रैल-मई में खुदाई करने के पश्चात दो से तीन हल्की जुताई करके मृदा को भुरभुरी बना लेते हैं।

खरपतवार, बड़े आकार के फसल अवशेष जैसे-मक्का, ज्वार एवं अरहर के अवशेषों को निकाल लेते हैं।

अब रोपणी उगाये जाने वाले स्थान पर प्रति वर्ग मीटर की दर से 2 कि.ग्रा. गोबर की सड़ी हुई खाद या कम्पोस्ट खाद या 500 ग्राम केंचुए की खाद को ट्राइकोडर्मा से उपचारित करके तैयार खेत में डालकर मदा में अच्छी तरह मिला दें।

यदि पौधशाला की मृदा सख्त हो जाये. तो उसमें प्रति वर्ग मीटर 2.5 कि.ग्रा. रेत अवश्य मिलायें।

- **मृदा शोधन**

मृदा में अनेक प्रकार के कीटों एवं हानिकारक फफूंदों का भी वास होता है। मृदाजनित रोगों तथा छिपे कीटों से कोमल पौधों की सुरक्षा के लिए मृदा शोधन अत्यंत आवश्यक है। मृदा शोधन निम्न विधियों से की जा सकती है।

- **मृदा सौरीकरण**

इस विधि में जिस स्थान पर पौधशाला तैयार करनी हो, उस स्थान की रबी फसल की कटाई के पश्चात मार्च में गहरी जुताई कर अप्रैल में क्यारी बनाकर हल्की सिंचाई करके गीला कर दें, ताकि मृदा में नमी बनी रहे एवं खरपतवारों के बीज अंकुरित हो जाएं।

अब इन क्यारियों को पारदर्शी पॉलीथीन से ढककर चारों तरफ के किनारे मृदा से दबा दें, ताकि पॉलीथीन के अंदर की हवा तथा वाष्प बाहर न निकले। बरसात शुरू होने के पूर्व लगभग 15 जून तक क्यारी को इसी तरह ढका रहने दें। आवश्यकतानुसार, 4-5 सप्ताह बाद पॉलीथीन की चादर हटाकर मृदा की अच्छी तरह गुड़ाई करके क्यारी बनाकर बीज की बुआई करते हैं।

मृदा सौरीकरण से मृदाजनित रोगकारक मर जाते हैं, खरपतवार नियंत्रण होता है व साथ ही साथ मृदा में उपस्थित मूलग्रंथि सूत्रकृमि की संख्या में भी कमी आती है।

- **जैविक विधि**

क्यारी उपचारित करने के लिए ट्राइकोडर्मा का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए 8-10 ग्राम ट्राइकोडर्मा को 10 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर मृदा में मिला दें, इसके बाद हल्की सिंचाई कर दें।

उपचार के उपरान्त क्यारियों में नमी बनाये रखें।

जब भी ट्राइकोडर्मा या ऐसे ही किसी अन्य जैविक पदार्थ का उपयोग करें, तब अन्य किसी रसायन का प्रयोग न करें।

- **रासायनिक विधि**

कार्बोफ्यूरान कवकनाशी की 5 ग्राम मात्रा प्रति वर्ग मीटर पौधशाला की क्यारी में डालकर मृदा में अच्छी तरह से मिला देना चाहिए।

बीजोपचार

रोपणी या पौधशाला में बुआई से पूर्व 1.5 ग्राम थीरम + 1.5 ग्राम बाविस्टीन व 2.5 ग्राम डायथेन एम.-45 या 4 ग्राम ट्राइकोडर्मा से प्रति कि.ग्रा. बीज को उपचारित करके ही बोना चाहिए, ताकि बीज-जनित फफूंद से फैलने वाले रोगों को नियंत्रित किया जा सके।

यदि नर्सरी क्यारी का उपचार ट्राइकोडर्मा विरिडी से किया जाता है, तो बीज उपचार भी ट्राइकोडर्मा विरिडी से करें।

क्यारियों में बीज की बुआई

क्यारी में सर्वप्रथम उसकी चौड़ाई के समानान्तर 5 सें.मी. की दूरी पर 0.5 सें.मी. गहरी पक्तियां बना लेते हैं तथा इन्हीं पंक्तियों में लगभग 1 सें.मी. की दूरी पर बीज डालते हैं बुआई के बाद बीजों को कम्पोस्ट, मृदा व रेत के (1:1:1) के मिश्रण से ढक देना चाहिए, परन्तु ध्यान रहे कि इस मिश्रण को 5-6 ग्राम थीरम या कैप्टॉन से प्रति कि.ग्रा. मिश्रण की दर से शोधित अवश्य कर लें।

केवल मृदा से इसलिए नहीं ढकना चाहिए, क्योंकि मृदा सिंचाई का पानी पाकर सूखने पर सख्त हो जाती है। इस तरह तैयार पौधे घने न होने के कारण आर्द्रगलन रोग की समस्या से बच जाते हैं।

क्यारियों को पलवार से ढकना

क्यारियों में बीजों की बआई करने के पश्चात इन्हें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पुआल, गन्ने के सूखे पत्ते या अन्य घास-फूस की पतली तह से ढक देना चाहिए। इससे मृदा में नमी बनी रहे और सिंचाई करने के दौरान पानी बीजों पर सीधे न पड़े अन्यथा बीजों पर ढका मिश्रण हट जायेगा और बीज का अंकुरण प्रभावित होगा।

क्यारियों में 50 प्रतिशत बीजों के सफेद धागेनुमा अंकुर दिखाई देने पर घास-फूस या पलवार को हटा देना चाहिए। अन्यथा अंखुआ बड़ा होने के बाद पलवार हटाने पर अंकुर टूटने एवं पौधे कमजोर होकर जड़ के पास से ही गलकर गिरने लगते हैं। पौधशाला में यह अवस्था बीज बुआई के बाद मिर्च में 7-8 दिनों बाद, टमाटर में 6-7 दिनों बाद व बैंगन में 5-6 दिनों बाद दिखाई देती है।

- **सिंचाई**

शुरू के 5-6 दिनों तक हजारे की सहायता से हल्की सिंचाई करें, ताकि बीज ज्यादा नमी पाकर बैठ न जाये।

हरी खाद के लाभ

कृषि में हरी खाद उस सहायक फसल को कहते हैं जिसकी खेती मुख्यत भूमि में पोषक तत्त्वों को बढ़ाने तथा उसमें जैविक पदाथों की पूर्ति करने के उद्देश्य से की जाती है। प्रायः इस तरह की फसल को इसके हरी स्थिति में ही हल चलाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है।

हरी खाद से भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है और भूमि की रक्षा होती है।

मृदा के लगातार दोहन से उसमें उपस्थित पौधे की बढ़वार के लिये आवश्यक तत्त्व नष्ट होते जा रहे हैं। इनकी क्षतिपूर्ति हेतु व मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाये रखने के लिये हरी खाद एक उत्तम विकल्प है। बिना गले-सड़े हरे पौधे (दलहनी एवं अन्य फसलों अथवा उनके भाग) को जब मृदा की नत्रजन या जीवांश की मात्रा बढ़ाने के लिये खेत में दबाया जाता है तो इस क्रिया को हरी खाद देना कहते हैं।

हरी खाद के उपयोग से न सिर्फ नत्रजन भूमि में उपलब्ध होता है बल्कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैक्कि दशा में भी सुधार होता है।

वातावरण तथा भूमि प्रदूषण की समस्या को समाप्त किया जा सकता है लागत घटने से किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है, भूमि में सूक्ष्म तत्वों की आपूर्ति होती है साथ ही मृदा की उर्वरा शक्ति भी बेहतर हो जाती है।

हरी खाद के लाभ

1. हरी खाद केवल नत्राजन व कार्बनिक पदार्थों का ही साध्न नहीं है बल्कि इससे मिट्टी में कई अन्य आवश्यक पोषक तत्त्व भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते है।
2. हरी खाद के प्रयोग में मृदा भुरभुरी, वायु संचार में अच्छी, जलधरण क्षमता में वृद्धि, अम्लीयता/क्षारीयता में सुधार एवं मृदा क्षरण में भी कमी होती है।
3. हरी खाद के प्रयोग से मृदा में सूक्ष्मजीवों की संख्या एवं क्रियाशीलता बढ़ती है तथा मृदा की उर्वरा शक्ति एवं उत्पादन क्षमता भी बढ़ती है।
4. हरी खाद में मृदाजनित रोगों में भी कमी आती है।
5. इसके प्रयोग से रसायनिक उर्वरकों में कमी करके भी टिकाऊ खेती कर सकते हैं।

(क) फलीदार फसल में पानी की काफी मात्रा होती है परन्तु अन्य फसलों में रेशा काफी होने की वजह से मुख्य फसल (जो हरी खाद के बाद लगानी हो) में नत्रजन की मात्रा काफी कम हो जाती है।

(ख) चूँकि हरी खाद वाली फसल के गलने के लिए नमी की आवश्यकता पड़ती है तथा कई बार हरी खाद के पौधे नमी जमीन से लेते हैं जिसके कारण अगली फसल में सूखे वाली परिस्थितियाँ पैदा हो जाती हैं।

(क) उन क्षेत्रों में जहाँ नत्राजन तत्व की काफी कमी हो।

(ख) जिस क्षेत्रों की मिट्टी में नमी की कमी कम हो।

(ग) हरी खाद का प्रयोग कम वर्षा वाले क्षेत्रा में न करें। इन क्षेत्रों में नमी का संरक्षण मुख्य फसल के लिए अत्यन्त आवश्यक है। ऐसी अवस्था में नमी के संरक्षण के अन्य तरीके अपनायें।

(घ) जिनके तने तथा जड़ें काफी मात्रा में पानी प्राप्त कर सकें।

(ङ) ये वे फसलें होनी चाहिए जो जल्दी ही जमीन की सतह को ढक लें। चाहे जमीन रेतीली या भारी या जिसकी बनावट ठीक न हो में ठीक प्रकार बढ़ सकें।

प्रभावी जल प्रबंधन की ज़रूरत क्यों ?

कहा गया है कि जल ही जीवन है। जल प्रकृति के सबसे महत्त्वपूर्ण संसाधनों में से एक है। कहने को तो पृथ्वी चारों ओर से पानी से ही घिरी है लेकिन मात्र 2.5% पानी ही प्राकृतिक स्रोतों- नदी, तालाब, कुओं और बावड़ियों से मिलता है, जबकि आधा प्रतिशत भूजल भंडारण है। सर्वाधिक चिंतित करने वाली बात यह है कि भारत जल संकट वाले देशों की कतार में आगे खड़ा है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे करोड़ों लोग ज़बरदस्त जल संकट का सामना कर रहे हैं और दूषित जल का उपयोग करने को अभिशप्त हैं। ऐसे में बेहतर जल प्रबंधन से ही जल संकट से बचाव और संरक्षण किया जा सकता है।

आगे की राह

- विदित हो कि इज़राइल के मुकाबले भारत में जल की उपलब्धता पर्याप्त है। लेकिन वहाँ का जल प्रबंधन हमसे कहीं ज़्यादा बेहतर है। इज़राइल में खेती, उद्योग, सिंचाई आदि कार्यों में रिसाइकिल्ड जल का उपयोग अधिक होता है और यही कारण है कि इज़राइल के लोगों को पानी संबंधी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता है। हम इज़राइल से काफी कुछ सीख सकते हैं।
- आज जल संकट का स्वरूप तेज़ी से बदल रहा है, ऐसे में एक नई जल नीति बनाई जानी चाहिये। इसमें हर ज़रूरत के लिये पर्याप्त जल की उपलब्धता और जल को प्रदूषित करने वाले को कड़ी सज़ा का प्रावधान हो ना चाहिये।
- यद्यपि जल से संबंधित नीति या कानून बनाने का अधिकार राज्यों को है, फिर भी जल संबंधी सामान्य सिद्धातों को लागू करने के लिये व्यापक राष्ट्रीय जल नीति तैयार करना समय की मांग है।
- जल को समवर्ती सूची का विषय बनाना भी महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है। जल के समवर्ती सूची में आने से बदलाव यह होगा कि केन्द्र, जल संबंधी जो भी कानून बनाएगा, उसे मानना राज्य सरकारों की बाध्यता होगी। केन्द्रीय जल नीति हो या जल कानून, वे पूरे देश में एक समान लागू होंगे।
- हालाँकि, वर्तमान परिस्थितियों में जल को समवर्ती सूची में डालना एक पश्चगामी कदम हो सकता है, क्योंकि आज जहाँ हम संघवाद और प्रशासन के विकेन्द्रीकरण पर जोर दे रहें हैं, वहाँ जल का केन्द्रीकरण संविधान के प्रगतिवादी सिद्धांत के विरुद्ध होगा।
- जल ही जीवन है अर्थात् जल जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। जल के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने वैश्विक जल रिपोर्ट 2006 में कहा था कि हमारी धरती पर हर किसी के लिये पर्याप्त पानी है लेकिन फिर भी जल संकट बरकरार है। इसका कारण कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार, उचित संस्थानों की कमी, नौकरशाही की जड़ता और मानव क्षमता एवं भौतिक बुनियादी ढाँचे में निवेश की कमी है ।
- सरकार को चाहिये कि राज्यों से विचार-विमर्श के बाद तुरंत एक ऐसी राष्ट्रीय जल नीति का निर्माण करे, जो भारत में भूजल के अत्यधिक दोहन, जल के बँटवारे से संबंधित विवादों और जल को लेकर पर्यावरणीय एवं सामाजिक चिंताओं का समाधान प्रस्तुत कर सके।
- जहाँ तक जल को समवर्ती सूची में शामिल करने का सवाल है तो ज़रूरी नहीं है कि यह संघवाद के मूल्यों के खिलाफ़ हो, बशर्ते यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहे।

क्या है सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली ?

सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली सामान्य रूप से बागवानी फसलों में उर्वरक व पानी देने की सर्वोत्तम एवं आधुनिक विधि मानी जाती है। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में कम पानी से अधिक क्षेत्र की सिंचाई की जाती है। इस प्रणाली में पानी को पाइपलाइन के माध्यम से स्रोत से खेत तक पूर्व-निर्धारित मात्रा में पहुँचाया जाता है। इससे पानी की बर्बादी को तो रोका ही जाता है, साथ ही यह जल उपयोग दक्षता बढ़ाने में भी सहायक है। देखने में आया है कि सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अपनाकर 30-40 फीसदी पानी की बचत होती है। इस प्रणाली से सिंचाई करने पर फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता में भी सुधार होता है। सरकार भी 'प्रति बूँद अधिक फसल' के मिशन के अंतर्गत फव्वारा व टपक सिंचाई पद्धति को बढ़ावा दे रही है। हमारे देश में अधिकांशत: खेतों में सिंचाई के लिये कच्ची नालियों द्वारा पानी लाया जाता है, जिससे तकरीबन 30-40 फीसदी पानी रिसाव की वज़ह से बेकार चला जाता है। ऐसे में सूक्ष्म सिंचाई पद्धति का इस्तेमाल करने में फायदा-ही-फायदा है।

सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की दो प्रमुख विधियाँ

बदलते परिदृश्य में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली को पानी की बचत करने वाली तकनीक के रूप में देखा जा रहा है। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली एक उन्नत पद्धति है, जिसके प्रयोग से सिंचाई के दौरान पानी की काफी बचत की जा सकती है। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में प्रमुखत: दो विधियाँ- फव्वारा सिंचाई व टपक सिंचाई अधिक प्रचलित हैं।

फव्वारा विधि

फव्वारा सिंचाई विधि में पानी का हवा में छिड़काव किया जाता है जो कृत्रिम वर्षा का एक रूप है। पानी का छिड़काव प्रेशर वाले छोटे नोज़ल से होता है। इस विधि में पानी महीन बूँदों में बदलकर वर्षा की फुहार के समान पौधों के ऊपर गिरता है। स्प्रिंकलर को फसलों के अनुसार उचित दूरी पर लगाकर पम्प की सहायता से चलाते हैं जिससे पानी तेज़ बहाव के साथ निकलता है। स्प्रिंकलर में लगी नोज़ल पानी को फुहार के रूप में बाहर फेंकती है। पानी की कमी वाले क्षेत्रों में यह विधि बेहद लाभदायक साबित हुई है। सामान्यत: फव्वारा सिंचाई सूखाग्रस्त, बलुई मृदा, ऊँची-नीची ज़मीन तथा पानी की कमी वाले क्षेत्रों के लिये उपयोगी है। घास के मैदानों और पार्कों में भी फव्वारा विधि द्वारा सिंचाई की जा सकती है। स्प्रिंकलर को खेत में इधर-उधर भी ले जाया जा सकता है।

फव्वारा विधि के लाभ

1. इस विधि में सतही सिंचाई विधियों की तुलना में जल प्रबंधन आसानी से किया जा सकता है।
2. फसल उत्पादन के लिये अधिक क्षेत्र उपलब्ध होता है क्योंकि इस विधि में नालियाँ बनाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।
3. पानी का लगभग 80-90 प्रतिशत भाग पौधों द्वारा ग्रहण कर लिया जाता है, जबकि पारंपरिक विधि में लगभग 30-40 फीसदी पानी ही इस्तेमाल हो पाता है।
4. ज़मीन को समतल करने की ज़रूरत नहीं होती, ऊँची-नीची और ढलान वाले स्थानों में भी इससे आसानी से सिंचाई की जा सकती है।
5. फसलों में कीटों व बीमारियों का खतरा कम होता है, क्योंकि स्प्रिंकलर्स द्वारा कीटनाशकों का छिड़काव बेहतर ढंग से किया जा सकता है।
6. फसलों में डालने के लिये घुलनशील उर्वरकों का इस्तेमाल आसानी से किया जा सकता है।

टपक विधि

सिंचाई की टपक विधि का विकास 1960 के दशक के आरंभ में इज़राइल तथा 1960 के दशक के अंत में ऑस्ट्रेलिया व उत्तरी अमेरिका में हुआ। इस विधि में पाइप लाइन द्वारा पौधों की जड़ों के आस-पास सतह या उप-सतह पर ड्रिपर्स के माध्यम से आवश्यकतानुसार पानी दिया जाता है। इस प्रणाली में बूँद-बूँद द्वारा फसलों व बागवानी पौधों की सिंचाई की जाती है। इस विधि से सिंचाई करने पर लगभग 50 फीसदी पानी की बचत होती है। साथ ही फसल उत्पादन में वृद्धि, खरपतवारों में कमी और फसल उत्पाद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। इस विधि में सिंचाई के साथ उर्वरकों का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

- इस विधि से सिंचाई करने पर परंपरागत विधि की तुलना में लगभग आधा पानी खर्च होता है, क्योंकि पानी सतह पर बहकर मृदा में जड़ क्षेत्र से नीचे नहीं जाता।
- खेत में खरपतवार कम होते हैं, इसलिये श्रम की आवश्यकता भी कम होती है।
- जल्दी-जल्दी सिंचाई करने के कारण जड़ क्षेत्र में अधिक नमी रहती है जिससे लवणों की सांद्रता अपेक्षाकृत कम रहती है।
- यह सभी प्रकार की मृदाओं के लिये उपयोगी है, क्योंकि पानी को मृदा के प्रकार के अनुसार नियोजित किया जा सकता है।
- भू-क्षरण की संभावना बेहद कम होती है तथा मृदा में नमी की कमी भी नहीं रहती है, जिसका पौधों की वृद्धि और विकास पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।